श्रावण शुक्ल पक्ष -पूर्णिमा, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 53 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल, शुक्रवार 28 अगस्त 2026

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

मुनारों से नहीं, आज के पानी से तय हो झील की सीमा

बड़ा तालाब बता रहा है... उसका गला किसने घोंटा

भोपाल की पहचान सिर्फ मध्यप्रदेश की राजधानी होने से नहीं है। इस शहर की आत्मा उसकी झीलों में बसती है और उसकी सबसे बड़ी पहचान है - राजा भोज का ऐतिहासिक बड़ा तालाब। सदियों से यह झील भोपाल को पानी देती रही है, मौसम को संतुलित करती रही है और इस शहर की खूबसूरती को पहचान देती रही है। लेकिन, आज जब बड़ा तालाब अपने अधिकतम जलस्तर 1666.80 फीट के करीब पहुंच गया है, तब यह झील सिर्फ पानी से नहीं भरी है। वह अपने साथ एक ऐसा आईना लेकर आई है, जिसमें भोपाल के पिछले कई दशकों के विकास और प्रशासनिक दावों की असली तस्वीर दिखाई दे रही है।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

और इस तस्वीर को देखने के लिए किसी सरकारी फाइल की जरूरत नहीं है। झील का पानी खुद गवाही दे रहा है। सवाल यह है कि वर्षों से झील की सीमा बताने के लिए लगाई गई मुनारें सही हैं या आज अधिकतम भराव की स्थिति में पानी जिस प्राकृतिक भू- भाग तक पहुंचा है, वह असली कहानी बता रहा है? अगर आज के जलस्तर पर पानी उन मुनारों से सैकड़ों फीट आगे दिखाई दे रहा है, तो यह केवल पानी का फैलाव नहीं है। यह उस सीमांकन पर भी सवाल है, जिसके आधार पर इतने वर्षों से झील संरक्षण का प्रशासनिक दावा किया जाता रहा है।

यहीं से असली जांच शुरू होनी चाहिए... कैचमेंट की बात छोड़िए, सवाल तालाब के भीतर का है। बड़े तालाब के कैचमेंट में निर्माणों का मुद्दा पुराना है। रसूखदारों द्वारा मकान, होटल, अस्पताल और कॉलोनियां बनाए जाने के आरोप वर्षों से उठते रहे हैं। लेकिन अब सवाल इससे भी आगे का है। अगर तालाब के मूल जलभराव क्षेत्र में ही मिट्टी का भराव कर निर्माण खड़े कर दिए गए हों, तो फिर कैचमेंट की बहस ही अधूरी है। भदभदा-नीलबड़ मार्ग से सूरज नगर की तरफ जाने वाले क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हुए विकास को लेकर गंभीर सवाल हैं। वहां सेंट्रल पार्क जैसी आधुनिक सुविधाओं वाली कॉलोनी के निर्माण और बड़े अधिकारियों तथा प्रभावशाली लोगों से जुड़े आवासों को लेकर सवाल लंबे समय से उठते रहे हैं। और सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसी क्षेत्र में, झील के बेहद करीब, नगर निगम द्वारा सीवर ट्रीटमेंट प्लांट यानी STP बनाए जाने पर भी सवाल हैं।

नगर निगम स्वयं सरकार का हिस्सा है। इसलिए यहां सवाल किसी निजी बिल्डर से नहीं, सीधे उस व्यवस्था से है जो झील की रक्षा करने के लिए जिम्मेदार है। जिस सरकार की एजेंसियां झील बचाने की जिम्मेदारी निभाती हैं, अगर उसी तंत्र की कोई एजेंसी झील के भीतर अथवा उसके प्रतिबंधित हिस्से में निर्माण करती है, तो फिर निगरानी किसकी और जवाबदेही किसकी? यह सवाल किसी राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं है। यह शासन की विश्वसनीयता का सवाल है।

मोहन यादव जी ... आप ही बचा लीजिए भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर को

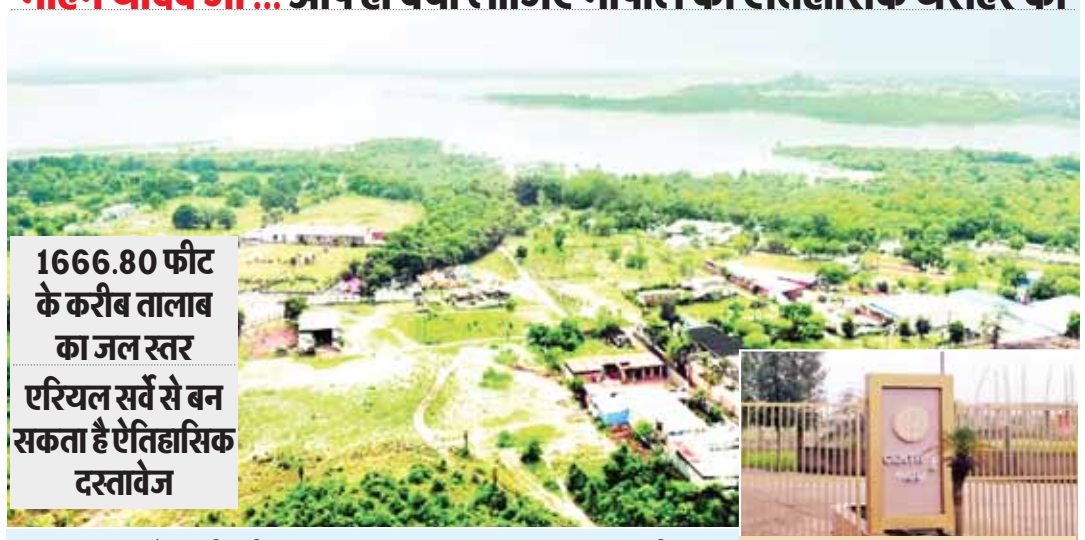

1666.80 फीट के करीब तालाब का जल स्तर एरियल सर्वे से बन सकता है ऐतिहासिक दस्तावेज

सूरज नगर स्थित सेंट्रल पार्क प्रोजेक्ट।

NGT को कार्रवाई की तस्वीर चाहिए या झील की सच्चाई?

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी NGT ने बड़ी झील के संरक्षण को लेकर समय-समय पर प्रशासन को निर्देश दिए हैं। हाल में भी ट्रिब्यूनल ने 50 मीटर नो-कंस्ट्रक्शन जोन में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर नगर निगम से जवाब मांगा और कार्रवाई में देरी पर आपत्ति जताई। इससे बड़ा प्रमाण और क्या चाहिए कि समस्या सिर्फ अतिक्रमण की नहीं, बल्कि प्रशासनिक निगरानी और क्रियान्वयन की भी है? अब तक की कार्रवाई पर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या प्रभावशाली लोगों और सामान्य नागरिकों के लिए कानून का पैमाना समान रहा है? अगर किसी कमजोर व्यक्ति का निर्माण हटाया जाता है और उसी झील क्षेत्र में प्रभावशाली लोगों के निर्माण वर्षों तक खड़े रहते हैं, तो कार्रवाई निष्पक्ष रूप से कानून का पालन नहीं कही जा सकती।

राजेश शर्मा प्रकरण भी इसी सवाल से जुड़ता है। इसमें आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय की जांच तथा उनकी संपत्तियों के मूल्यांकन को लेकर दोपहर मेट्रो पहले ही दस्तावेज आधारित विशेष रिपोर्टों की श्रृंखला प्रकाशित कर चुका है। उन रिपोर्टों में शर्मा के कई तत्कालीन मुख्य सचिवों और उच्च प्रशासनिक स्तर पर कथित संपर्क तथा संरक्षण से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल भी प्रकाशित की गई थी। इसलिए यहां सवाल किसी व्यक्ति विशेष को दोषी ठहराने का नहीं, बल्कि यह जानने का है कि क्या प्रशासनिक प्रभाव का इस्तेमाल झील क्षेत्र में हुए निर्माणों को संरक्षण देने के लिए हुआ? इस सवाल का जवाब किसी आरोप या प्रत्यारोप से नहीं मिलेगा। रिकॉर्ड से मिलेगा। और रिकॉर्ड निकालना आज सरकार के लिए मुश्किल भी नहीं है।

मुनारें बनाम सैटेलाइट तस्वीर... कौन सही है?

आज तकनीक ने इस विवाद को समाप्त करने का सबसे आसान रास्ता दे दिया है। नगर निगम और नगरीय प्रशासन विभाग चाहे तो आज ही बड़े तालाब की सैटेलाइट इमेजरी, ड्रोन सर्वे और GIS आधारित डिजिटल मैपिंग करा सकता है। आज का जलस्तर 1666.80 फीट के करीब है इसलिए इस समय लिया गया एरियल सर्वे आने वाले वर्षों के लिए एक ऐतिहासिक दस्तावेज बन सकता है। ड्रोन से हर उस हिस्से की तस्वीर ली जाए जहां FTL सीमा संदिग्ध है, 50 मीटर का नो-कंस्ट्रक्शन जोन है, कैचमेंट में निर्माण हुए हैं, तालाब के भीतर मिट्टी का भराव हुआ है, निजी कॉलोनियां विकसित हुई हैं और सरकारी निर्माण मौजूद हैं। फिर इन तस्वीरों को पुराने राजस्व नक्शों, सीमांकन और वर्तमान GIS मैप से मिलाया जाए। इसके बाद किसी के भी पास बहस करने के लिए बहुत कम बचेगा। आज का ड्रोन फोटो यह बता सकता है कि जमीन पर वास्तव में क्या है। सैटेलाइट तस्वीर बता सकती है कि पिछले वर्षों में भू-उपयोग कैसे बदला। और राजस्व रिकॉर्ड बता सकता है कि जमीन किसकी थी। तीनों को मिला दीजिए... बड़े तालाब की पूरी कहानी सामने आ जाएगी।

आज संकेत भोंडवे के पास है मौका

इस पूरे मामले में एक सकारात्मक बात यह है कि राज्य के नगरीय विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने मुझसे चर्चा में इस दिशा में ठोस दस्तावेजी प्रमाण जुटाने का भरोसा दिया है। यह भरोसा महज प्रशासनिक औपचारिकता बनकर न रह जाए, यही उम्मीद है। क्योंकि इस समय बड़ा तालाब स्वयं प्रशासन को वह अवसर दे रहा है जो शायद आने वाले वर्षों में दोबारा न मिले। अधिकतम जलस्तर पर खड़ी झील का एक समग्र ड्रोन सर्वे करा दीजिए। उसकी तुलना पुराने सीमांकन से करा दीजिए। फिर एक-एक निर्माण को चिन्हित कीजिए।

कैलाश विजयवर्गीय से भी जवाब की अपेक्षा

नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन फिलहाल उनसे बात नहीं हो सकी है। उनका पक्ष मिलते ही इस पड़ताल में उसे भी शामिल किया जाएगा। क्योंकि यह किसी सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश भर नहीं है। यह सरकार को इतिहास में सही भूमिका निभाने का अवसर देने की कोशिश है। भोपाल का बड़ा तालाब केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं है, जिसे नक्शे पर रेखा खींचकर बचाया जा सके। यह एक जीवित जल-प्रणाली है। उसकी सीमा केवल मुनारों से तय नहीं हो सकती। उसकी रक्षा सिर्फ अतिक्रमण हटाने की चुनिंदा कार्रवाइयों से नहीं हो सकती।

और सबसे बड़ी बात... क्या हम राजा भोज की झील को बचाना चाहते हैं, या सिर्फ NGT को यह दिखाना चाहते हैं कि हम उसे बचा रहे हैं?

क्योंकि इस बार मुनारें नहीं बोलेंगी। पानी बोलेगा। और पानी की गवाही को मिटाना इतना आसान नहीं होगा।

न्यूज विंडो

चीन के सिचुआन प्रांत में लगे भूकंप के झटके, प्रशासन अलर्ट

बीजिंग। भूकंप के झटके बाद नेपाल में फ्लड फ्लैश से मची तबाही के बीच चीन के लोंगचांग शहर आज 5.1 तीव्रता का जोरदार भूकंप महसूस किया गया है। भूकंप के तेज झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। चाइना अर्थक्वेक नेटवर्क्स सेंटर ने भूकंप की पुष्टि करते हुए बताया कि लॉन्गचांग शहर में 5.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र लॉन्गचांग शहर बताया जा रहा है।भूकंप के झटके दर्ज किए जाने के बाद स्थानीय प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

पहली विदेश यात्रा पर भारत आएंगे पीएम बालेन शाह

काठमांडू। नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले ने बताया है कि पदभार संभालने के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह अपनी पहली विदेश यात्रा भारत की करेंगे। हालांकि, वागले ने अभी तारीख नहीं बताई, लेकिन वागले ने संकेत दिया है कि अगर सब कुछ तय कार्यक्रम के मुताबिक रहा तो शाह इस साल के अंत से पहले भारत आ सकते हैं। काठमांडू में आयोजित एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यात्रा की तारीखों पर फिलहाल विचार चल रहा है।

आज का कार्टून

अवकाश की सूचना

रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में शनिवार 29 अगस्त को दोपहर मेट्रो कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक रविवार 30 अगस्त को प्रकाशित होगा।

तबाही का सैलाब: चीन ने रेस्क्यू रोका, अब तक 478 मौतें, 1500 लापता

तिब्बत में झील फटी, नेपाल में कई गांव खाली कराए गए

काठमांडू । नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बनी एक और झील फट गई है। यह झील चोचेन नदी और पुरेपु सांगपो नदी के संगम के पास बनी थी। चीन ने इसके फटने की आशंका एक दिन पहले ही जताई थी। झील फटने के बाद पानी का स्तर बढ़ने लगा है। खतरे की वजह से के रसुवा जिले में रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया है। नदी के रास्ते में आने वाले गांव खाली कराए जा रहे हैं। लोगों और सुरक्षाकर्मियों को तुरंत सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा है। इस बीच चीन ने भी तिब्बत में राहत और बचाव अभियान रोक दिया है और लेवल-4 अलर्ट जारी किया है। दोबारा बाढ़ आने के खतरे को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। बाढ़ और भूस्खलन से दोनों देशों में अब तक 478 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1,500 से ज्यादा लोग लापता हैं।

सबसे पहली राखी महाकाल को...

उज्जैन। रक्षाबंधन पर्व पर आज देश की सबसे पहली राखी भगवान महाकाल को अर्पित की गई। महाकाल मंदिर में तड़के करीब 3 बजे हुई भस्म आरती के दौरान पुजारी परिवार की महिलाओं ने बाबा महाकाल को राखी अर्पित की।

रिजिजू ने दिए संसद का विशेष सत्र बुलाने के संकेत, विपक्ष में हलचल

नई दिल्ली। संसद सत्र फिर से बुलाए जाने की संभावनाओं पर संकेत देकर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष की बेचैनी बढ़ा दी है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण कानून को जल्द लागू करने का वादा किया है, सरकार इसी दिशा में काम कर रही है। इंडिया टुडे के अनुसार, रिजिजू ने बताया है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा। इसमें उन्होंने मांग की कि संसद का विशेष सत्र बुलाने से पहले, परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा करने हेतु एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए।

मॉडल की हत्या का मामला

इमरान को पुलिस ने पैर में तीन गोलियां मारकर किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली की 21 साल की मॉडल मुस्कान की हत्या के आरोपी जिम ट्रेनर आकिब उर्फ इमरान को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोप के मुताबिक इमरान ने दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा मुस्कान की घर में घुसकर हत्या की। दिल्ली पुलिस के मुताबिक इमरान की गिरफ्तारी के दौरान वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट स्पेशल स्टाफ की टीम के साथ उसकी मुठभेड़ हुई। इमरान ने टीम को देखते ही फायरिंग की। पुलिस ने भी जवाब में गोलियां चलाईं। इनमें से कुछ गोलियां उसके पैर में लगीं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इमरान 26 साल का है और पहले जिम ट्रेनर के तौर पर काम करता था। बुधवार शाम मुस्कान घर में अकेली थी। परिवार के लोग बाहर गए हुए थे। तब इमरान उसके घर पहुंचा था।

भोपाल बायपास ब्रिज पर हादसा

ब्यावरा: ब्रिज की सेफ्टी वॉल से टकराई बस, चार की मौत

ब्यावरा। राजगढ़ के ब्यावरा में भोपाल बायपास ब्रिज पर आज सुबह करीब 8.30 बजे तेज रफ्तार बस अनियंत्रित हो गई। ब्रिज कर्व होने के कारण बस दीवार से टकरा गई। ऊपर की स्लीपर सीटों पर सवार लोग खिड़कियां टूटने से ब्रिज के नीचे गिर गए। कुछ लोग ब्रिज पर भी गिरे।बस कानपुर से इंदौर आ रही थी। हादसा इतना भीषण था कि बस के परखच्चे उड़ गए। 4 यात्रियों की मौत हो गई, इनमें ड्राइवर और बेंगलुरु के सायबर इंस्पेक्टर भी शामिल हैं।

हादसे में 11 लोग घायल हुए हैं। इनमें 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सड़क पर लाशें औंधे मुंह पड़ी थीं। पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। स्थानीय लोगों की मदद से बस से यात्रियों को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को ब्यावरा के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज शुरू किया गया।

आईएसआई जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़

युवा दंपती गिरफ्तार, सैन्य ठिकानों की करते थे रेकी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के समर्थन वाले एक अंतरराष्ट्रीय जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। सुरक्षा एजेंसियों के साथ संयुक्त कार्रवाई में सेल ने दिल्ली-एनसीआर में रह रहे युवा दंपती साहिल (25) और उसकी पत्नी समीरा (21) को गिरफ्तार किया है। दोनों पर पाकिस्तान स्थित इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स के लिए जासूसी करने, भारतीय सैन्य ठिकानों की रेकी करने और संवेदनशील जानकारी सीमा पार भेजने का आरोप है।

कराची से दिल्ली तक फैला नेटवर्क: पुलिस जांच के अनुसार, यह दंपती साल 2024 से सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी एजेंट्स के संपर्क में था। नेटवर्क का मुख्य मकसद भारत के रक्षा प्रतिष्ठानों और सैन्य गतिविधियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी हासिल करना था।

मानसून से पहले मेंटेनेंस के नाम पर नाले की सफाई और सड़कों की मरम्मत के किए थे दावे, सब बारिश में बह गए

निगम के दावे पानी में...शहर की सड़कों पर जगह-जगह जल जमाव, मुश्किल में राहगीर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में बारिश का दौर जारी है। लेकिन नगर निगम की पूरी व्यवस्था धराशायी है। मूसलाधार बारिश हो या फिर रुक-रुक हो रही रिमझिम। जगह-जगह शहर की सड़कों पर पानी जमा हो रहा है। आलम यह है कि अंडरब्रिज के नीचे भी पानी नदी जैसे हालात हो गए हैं। मानसून से पहले नगर निगम नालों की सफाई और जल निकासी के दावे कर रहा था, लेकिन सब कागजी ही निकला। पानी जमा होने से लोगों की राह मुश्किल में है। वाहन चालकों का ही नहीं, पैदल चलना भी लोगों के लिए मुश्किलभरा है। इतना ही नहीं, कॉलोनियों में भी जलनिकासी न होने से पानी जमा है। इस पानी के नीचे बड़े-बड़े गड्ढे लोगों की मुसीबतें और बढ़ा रहे हैं। बता दें कि भोपाल में अब तक 43 फीसदी बारिश हो चुकी है। बादल इतने मेहरबान हुए कि महज 7 दिनों में ही इतनी बारिश हो गई।

भोपाल में 1 जून से अब तक 39 इंच पानी बरस चुका

राजधानी भोपाल में पिछले 24 घंटे में करीब एक इंच बारिश हुई है। 1 जून से अब तक 39 इंच बारिश हो चुकी है। खास यह है कि इसमें से 38 इंच बारिश अगस्त के 7 दिनों में ही हो चुकी है। यही कारण है कि शहर की जीवनरेखा बड़ा तालाब में भी अब भरने की कगार पर है। तालाब का फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट है, इसमें से 1666.20 फीट भर चुका है।

यहां तो हालत और भी ज्यादा खराब

बारिश ने निचली बस्तियों में ही हाल बुरा नहीं किया है। पॉश कॉलोनियों के आसपास ही सड़कों की हालत बुरी है। बावड़िया कंला, रोहित नगर व नर्मदापुरम रोड के सर्विस रोड पर भी पानी जमा है। नीचे खराब सड़कें और ऊपर पानी से वाहन चालकों को गड्ढे का अंदाजा नहीं हो रहा। हादसे की आशंका बढ़ रही है।

कुबेरेश्वर धाम से लौट रहे युवक को ट्रेन में हार्ट अटैक, हमीदिया भेजाा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सीहोर के कुबेरेश्वर धाम से दर्शन कर दिल्ली लौट रहे उत्तरप्रदेश के गौरव (24) की मालवा एक्सप्रेस में अचानक तबीयत बिगड़ गई। सीने में तेज दर्द होने के साथ, उल्टियां हुई और चक्कर आने लगे। हालत बिगड़ती देख परिजनों ने भोपाल के निशातपुरा के पास चेन पुलिंग कर ट्रेन रोकी। इसके बाद ट्रेन के गार्ड और सह-यात्रियों ने तत्परता दिखाते हुए युवक को ट्रेन से उतारकर हमीदिया अस्पताल भिजवाया। युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

कजलीखेड़ा थाने का आरक्षक सस्पेंड, वेतनवृद्धि भी रोकी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कजलीखेड़ा में फायरिंग के मामले में थाने के आरक्षक तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। उसे दोहरी सजा देते हुए वेतन वृद्धि भी रोकी है। आरक्षक ने रात्रि गश्त में प्वाइंट पर देरी से पहुंचने के बाद सीनियर अफसरों से अभद्रता की थी। इसका वीडियो महकमे को मिला था। इसके बाद डीसीपी जोन-4 ने आरक्षक रवेंद्र तोमर पर कार्रवाई की। फायरिंग के बाद एफआईआर देरी से दर्ज करने और सीनियर अफसरों को जानकारी नहीं देने पर टीआई पल्लवी पांडे और नाइट अधिकारी एसआई महेश माझी को लाइन अटैच किया गया था।

25 दिन में खाद्य सुरक्षा विभाग ने लिए 2605 सैंपल, 680 की रिपोर्ट जारी

6 करोड़ की मिठाई-पनीर-घी जब्त द्वारकेश-गोवर्धन, गोपीश्री अनसेफ

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सावन के महीने में दूध, घी, पनीर और मावे की सैंपलिंग की गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने प्रदेश में दो हजार 605 सैंपल लेकर राज्य लैबोरेटरी भेजे हैं, जिनमें से 680 की जांच रिपोर्ट मिल गई है। इसमें 25 सैंपल अकेले घी के अनसेफ मिले हैं, जिससे आम लोगों के स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। गोवर्धन, द्वारका, शायन, भूमि, दानेदार, धौलपुर फ्रेश, वासु और गोपीश्री घी के सैंपल असुरक्षित निकले हैं, जिससे पता चलता है कि घी में पाम ऑयल सहित अन्य चीजों की मिलावट की गई है। दरअसल खाद्य सुरक्षा विभाग ने 20 जुलाई से 25 अगस्त तक जांच अभियान चलाया था। टीमों ने अभियान के दौरान 44 हजार 407 लीटर दूध और दूध से बने उत्पाद जब्त किए गए। लैबोरेटरी में अब तक 680 सैंपलों की जांच में 73 अमानक और 25 असुरक्षित मिले। राजधानी में मिलावटी घी को लेकर 25 दिन चले अभियान में 13 सैंपल में घी असुरक्षित निकला है। जिससे पता चलता है कि घी में पाम तेल, सीसा और वेजिटेबल फैट मिलाकर नकली घी तैयार किया गया है। इस घी के सेवन से आम लोगों के स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। खाद्य सुरक्षा विभाग घी विक्रेताओं पर केस दर्ज कर सिविल कोर्ट में केस पेश करेगा, जहां जुर्माना समेत छह महीने तक की सजा का प्रावधान है।

नकली मावा से बनी मिठाई खाने के कुछ घंटों में ही उल्टी-दस्त और तेज पेट दर्द

गांधी मेडिकल कॉलेज के एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ. मनुज शर्मा का कहना है कि नकली मावा या दूषित दूध से बनी मिठाई खाने के कुछ घंटों के अंदर ही उल्टी-दस्त, और पेट में तेज ऐंठन होने लगती है। मिठाई में मिलाए जाने वाले यूरिया, डिटर्जेंट, स्टार्च और सिंथेटिक रंग शरीर के विषैले पदार्थों को बाहर निकालने वाले अंगों (लिवर और किडनी) पर अत्यधिक दबाव डालते हैं, जिससे वे फेल भी हो सकते हैं। घटिया क्वालिटी के पाम ऑयल या अन्य सैचुरेटेड फैट के इस्तेमाल से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है। इससे दिल की बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। ऐसी मिठाइयों से दूर रहे।

अब तक 11 लाख किलो खाद्य सामग्री जब्त

आयुक्त खाद्य सुरक्षा के निर्देश में खाद्य सुरक्षा प्रशासन के मैदानी अमले द्वारा चलाए गए मिलावटी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों के खिलाफ 'विशेष अभियान' में टीम ने करीब 5.61 करोड़ रुपए की 11.73 लाख किलो खाद्य सामग्री जब्त की। विशेष अभियान में 25 जुलाई से अब तक विभाग के मैदानी अमले ने करीब 10,835 किलो एनालॉग पनीर जब्त किया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार अभियान के तहत कुल 2,605 लीगल नमूने और 2,037 सर्विलांस नमूने यानी कुल 4,642 नमूनों की जांच की गई। जिसमें से राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा 680 नमूनों की जांच रिपोर्ट जारी की।

एनालॉग पनीर पर बैन, 100 क्विंटल अब तक जब्त

प्रदेश में 12 अगस्त को एनालॉग पनीर पर बैन लगाया गया है। इसके बाद से विभाग डेयरियों और पनीर निर्माण इकाइयों की जांच कर रहा है। विभाग ने सीहोर के पचामा में रुद्रांश फार्म से 32 क्विंटल पनीर जब्त किया। प्रदेश भर में सौ क्विंटल से अधिक पनीर जब्त किया गया है।

आवासीय में कमर्शियल एक्टिविटी का मामला

अब कॉलोनियों में चल रहे प्ले और नर्सरी स्कूलों को नोटिस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के रहवासी क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई शुरू होने के बाद करीब 62 हजार दुकानदारों पर संकट मंडरा रहा है। निगम ने दुकानों और प्रतिष्ठानों को नोटिस देने की प्रक्रिया तेज कर दी है। गौतम नगर में आवासीय क्षेत्र में चल रहे होटल को सील करने के बाद अब कॉलोनियों में चल रहे छोटे प्ले स्कूलों को भी चिह्नित किया है। निगम के आंकड़ों के मुताबिक अब तक अधिभोग उल्लंघन के 8,264 नोटिस जारी गए हैं। स्कूलों को कार्रवाई की जद में लाने की कवायद के बीच अभिभावकों ने राहत की मांग की है। एजुकेशन एक्टिविस्ट और वॉइस ऑफ पेरेंट्स से जुड़े विवेक शुक्ला ने बताया कि कई स्कूल संचालकों ने उन्हें फोन कर जानकारी दी है कि उनके पास भी नोटिस पहुंच रहे हैं। उनका कहना है कि प्ले और नर्सरी स्कूल आसपास के क्षेत्रों में होने से अभिभावकों को सुविधा रहती है। ऐसे स्कूलों के मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर राहत दी जानी चाहिए। हालांकि जहां किसी स्कूल से अव्यवस्था या यातायात की समस्या हो रही हो, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

व्यापारियों और रहवासी दोनों का विरोध जारी

सीलिंग की कार्रवाई के विरोध में एक ओर जहां व्यापारी हैं। वहीं, दूसरी ओर कार्रवाई न होने से नाराज रहवासी संघ भी हैं। कारोबारियों ने सरकार से भोपाल में मास्टर प्लान लागू करने की मांग की है। उनका कहना है कि सीलिंग की कार्रवाई जारी रहने से हजारों छोटे-बड़े मौजूदा स्थिति में हजारों छोटे-बड़े कारोबार प्रभावित हो सकते हैं। अब सभी की नजर सरकार के फैसले पर है कि वह व्यापारियों की मांग और न्यायालय के निर्देशों के बीच क्या रास्ता निकालती है। वहीं, रहवासी भी निगम की सुस्त कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने मार्च निकालकर विरोध दर्ज कराया और मांग सरकार के सामने रखी उनका कहना है निगम सुप्रीम के आदेशों के अनुसार काम नहीं कर रहा है।

आज सिटी बसों में बहनों को फ्री सफर नहीं, ई-बसों में देना होगा किराया

भोपाल में रक्षाबंधन पर हर साल बहनों को मिलने वाली नगर निगम की मुफ्त सिटी बस यात्रा की सौगात इस बार गायब है। 30 इलेक्ट्रिक बसें शहर की सड़कों पर उतरने के बावजूद महिलाओं को रक्षाबंधन पर मुफ्त सफर की सुविधा नहीं दी जा रही है। इससे भाई के घर राखी बांधने जाने वाली बहनों को इस बार बस का किराया चुकाना पड़ेगा। निगम की ओर से पिछले वर्षों में रक्षाबंधन पर महिलाओं को मुफ्त सिटी बस यात्रा कराई जाती रही है।

रेल साहित्य परिषद् की 'पावस काव्य' गोष्ठी में कवियों ने उकेरी भावनाएं

कविताओं में बरसा सावन, राखी की खुशियां भी पिरोईं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सवारी डिब्बा पुनर्निमाण कारखाना भोपाल में रेल साहित्य परिषद् ने मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। रेल परिवार से रिटायर्ड कवि राजेंद्र विश्वकर्मा के सम्मान में हुए इस समारोह में एक से बढ़कर एक काव्य पाठ किया गया। साहित्यकार घनश्याम मैथिल 'मैथिल' ने रिमझिम सावन बरसता, राखी का त्योहार, रेशम की डोरी बंधा भाई-बहिन का प्यार...जैसी कविताएं पढ़ी तो तालियों की आवाज गूंजती रही। इससे पहले गोष्ठी की शुरुआत में कवि सतीशचंद्र श्रीवास्तव ने मां सरस्वती की वंदना की। कवि श्रीवास्तव ने समसामयिक कविता के अंश...धरती की चूनर धानी हुई मेघों की मेहरबानी हुई को कवित संतकुमार मालवीय ने आगे बढ़ाया। उन्होंने 'गरजती बरसती छटा देख दिल दीवाना हो गया' का पाठ कर वाहवाही बटोरीं। वहीं, युवा कवि कुमार अखिलेश ने सावन में भगवान भोले की आराधना करते हुए 'काल के भी काल शिव महा विकराल हैं' कविता पढ़ीं।

इनकी कविताएं भी गूंजीं

'अनिल कुमार साकेत, गिरजा शंकर नीर' दादू की बुंदेली रचना, गजलकार बीएन तिवारी साहिब, वीरेंद्र बड़गैया, हीरालाल पारस, युवा कवि नीतिराज चौर, अनिल रंगोठा, आशीष गुप्ता, अजय शर्मा आदि ने भी रचनाएं पढ़ीं।

जेब पर डाका, सेहत पर वार और जिम्मेदार मौन : आशीष तिवारी

भोपाल। कांग्रेस नेता आशीष तिवारी ने बढ़ती महंगाई और खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला। कहा, तेल, शक्कर, दाल और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के बढ़ते दामों ने आम परिवार की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। महंगाई जेब पर बोझ बढ़ा रही है, तो मिलावट स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता बनती जा रही है। त्योहारों में मिलावटखोरी के खिलाफ सिर्फ औपचारिक छापेमारी पर्याप्त नहीं है। सरकार को छोटे कारोबारियों के बजाय मिलावट के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क, सरगनाओं, व राजनीतिक संरक्षण करने वाले व्यक्तियों तक पहुंचना चाहिए।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की कारगुजारी

यूजी-पीजी रिजल्ट में धांधली, परीक्षा में एब्सेंट बता छात्रों को किया फेल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) की यूजी व पीजी परीक्षाओं के परिणाम में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। कई विद्यार्थियों को परीक्षा में उपस्थित होने के बावजूद अनुपस्थित बताकर फेल कर दिया गया। कुछ के प्राप्तांकों को गलत दर्ज किए जाने से रिजल्ट खराब हो गया। विवि ने 1.30 लाख विद्यार्थियों की परीक्षाएं ली थीं। इनमें 30 हजार बीए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का परिणाम जारी किया गया। इसमें से 79 फीसद पास हुए। इससे पहले जारी परिणाम में करीब 25 फीसद विद्यार्थियों को एजेंसी की गलतियों के कारण फेल कर दिया गया था।

विश्वविद्यालय में करीब 20 से अधिक विद्यार्थियों की शिकायतें की तो परिणाम में सुधार कर संशोधित अंकसूची जारी करनी पड़ रही है। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी के पास पर्याप्त संसाधन नहीं होने से ऐसी समस्याएं सामने आई हैं। एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एजेंसी का एक साल का टेंडर दो माह बाद समाप्त हो रहा है और आगामी टेंडर में उसे ब्लैकलिस्ट करने पर भी विचार किया जा रहा है।

मेट्रो एंकर | जिम्मेदार शाहिद अलीम खान समेत अन्य पर एफआईआर

वक्फ संपत्ति में गड़बड़ी : जांच के घेरे में दारुल शफकत समिति की कार्यकारिणी, 28.91 करोड़ की होगी वसूली

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर की ऐतिहासिक वक्फ संपत्ति इदारा यतीमखाना शाहजहानी वाके मुत्तसिल मदरंसा जहांगीरिया के प्रबंधन और वित्तीय गतिविधियों में कथित अनियमितताओं का मामला अब आपराधिक जांच तक पहुंच गया है। मप्र वक्फ बोर्ड की लंबी जांच में 28.91 करोड़ रुपए की गड़बड़ी मिली है। इसे रिकवरी योग्य निर्धारित किया गया है। साथ ही शाहजहांनाबाद पुलिस ने 26 अगस्त को मामले में धोखाधड़ी का केस दर्ज कर शाहिद अलीम खान समेत अन्य को नामजद आरोपी बनाया है। वक्फ बोर्ड के मुताबिक यतीमखाना शाहजहानी को वक्फ संपत्ति के तौर पर दर्ज किया गया था। इसका जिक्र शासकीय राजपत्र की वक्फ सर्वे सूची में भी है। संपत्ति के एक हिस्से में दारुल शफकत सोसायटी संस्था चला रही है। 2004 तक संस्था की ओर से जरूरी विवरण और दस्तावेज पेश किए जाते रहे। इसके बाद वक्फ अधिनियम के तहत जरूरी दस्तावेज, आय-व्यय का हिसाब और प्रबंधन से संबंधित जानकारी बोर्ड को देने में देरी की। बोर्ड ने संपत्ति प्रबंधन व संरक्षण के लिए समय-समय पर वैधानिक कदम भी उठाए, पर संस्था ने अपेक्षित औपचारिकताएं पूरी नहीं की गई।

संस्था खुद ही मालिकी के लिए दस्तावेज तैयार कर रही थी

2023 में गठित वक्फ बोर्ड ने नए सिरे से जांच की। संबंधित संस्था और व्यक्तियों को दस्तावेज पेश करने व पक्ष रखने का मौका दिया। जांच में बोर्ड को कई ऐसे दस्तावेज मिले, जिनके आधार पर संस्था और उसके पदाधिकारियों ने वक्फ संपति पर अपना स्वामित्व जताया। भवन निर्माण की अनुमति को दिए शपथ-पत्रों तथा परिसर को किराए पर देने किए रजिस्टर्ड अनुबंधों में भी संपति के मालिकाना हक में ऐसे दावे किए।

तथ्य के आधार पर केस

वक्फ बोर्ड की जांच में यह भी आरोप सामने आया कि संपत्ति से मिलने वाले किराए, धरोहर राशि और अन्य आय का उपयोग संस्था की ओर से किया गया, जबकि इन वित्तीय गतिविधियों का अपेक्षित लेखा-जोखा वक्फ बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए था, लेकिन जिम्मेदारों की तरफ लगातार लापरवाही बरती गई। हाल यह रहा है कि यहां लगने वाले सालाना बाजार और दुकान के किराए के हिसाब किताब में भी अनियमितताएं बरतने का संदेह है। जांच में मिले तथ्यों के आधार पर केस दर्ज कराया गया।

रक्षाबंधन...700 मुनियों की रक्षा का पर्व, आचार्यश्री बोले-जो सहता है, वही इस मार्ग पर सफल होता है

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आचार्य समय सागर महाराज के सानिध्य में जैन समाज ने रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। प्रभु श्रेयांस नाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक अवसर पर अष्ट द्रव्य से आराधना की गई। लोगों ने निर्वाण लाडू चढ़ाए। प्रतिभा स्थली की बहनों, पुण्यर्जक परिवार द्वारा पाद प्रक्षालन कर सूत्र चढ़ाया। प्रवक्ता सुनील जैनाविन अंशुल जैन ने बताया भोपाल की मंदिर समिति पाठ शाला परिवार अन्य संगठन पदाधिकारियों पंकज जैन, मनोज बांगा, देवेंद्र रुचि, विनोद चौधरी, आदि ने श्री फल भेंट किए। विभिन्न शहरों से आए श्रद्धालुओं ने धर्म-संस्कृतिव संस्कारों की रक्षा का संकल्प लिया। बताते हैं, यह 700 मुनियों की रक्षा का पर्व है।

यह मोक्ष का मार्ग

चातुर्मास समिति के पदाधिकारियों ने पुण्य अर्जक परिवारों का बहुमान किया आचार्य श्री ने कहा मोक्ष मार्ग सुख सुविधाओं का नहीं उपसर्ग परिषह का मार्ग है। यह जो सहन करता है, वही मार्ग पर सफल होता है। कार्यक्रम का संचालन अविनाश ने किया

2028 से पहले जमीन मजबूत करने की कवायद : जनविश्वास से कांग्रेस का बड़ा वोट बैंक को छीनने की तैयारी

आदिवासी बेल्ट छिंदवाड़ा से बालाघाट तक मुख्यमंत्री का सीधा जनता संवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 'जनविश्वास अभियान' अब राजनीतिक रूप से भी अहम होता जा रहा है। रक्षाबंधन के कारण शुक्रवार के बजाय शनिवार को मुख्यमंत्री अभियान के चौथे सप्ताह में बालाघाट पहुंचेंगे और जनता से सीधा संवाद करेंगे। 7 अगस्त को छिंदवाड़ा से शुरू हुआ यह अभियान बड़वानी और टीकमगढ़ के बाद अब बालाघाट पहुंच रहा है। खास बात यह है कि इन चारों जिलों में 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन भाजपा से बेहतर रहा था।

जनविश्वास अभियान के लिए चुने गए जिलों को राजनीतिक नजरिए से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। छिंदवाड़ा लंबे समय से कांग्रेस का मजबूत गढ़ रहा है, जबकि बड़वानी और बालाघाट आदिवासी बहुल इलाके हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री का इन क्षेत्रों में सीधे जनता के बीच पहुंचना सरकार की योजनाओं और कामकाज का संदेश देने के साथ भाजपा के संगठनात्मक आधार को मजबूत करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। मध्य प्रदेश की राजनीति में आदिवासी मतदाताओं की अहम भूमिका है। प्रदेश की करीब 22 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जनजाति वर्ग से आती है और विधानसभा की 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। 2023 के चुनाव में इन आरक्षित सीटों पर भाजपा ने 24 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस 22 सीटों पर सफल रही थी। एक सीट भारत आदिवासी पार्टी के खाते में गई थी। इससे पहले 2018 में कांग्रेस ने 30 आदिवासी सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा को 16 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। यही वजह है कि भाजपा अब आदिवासी क्षेत्रों में अपनी पकड़ और मजबूत करने पर जोर दे रही है।

चार जिलों की 20 सीटों पर कांग्रेस भारी| छिंदवाड़ा, बालाघाट, बड़वानी और टीकमगढ़ की कुल 20 विधानसभा सीटों के 2023 के परिणाम देखें तो कांग्रेस की स्थिति मजबूत नजर आती है। छिंदवाड़ा की सातों सीटें कांग्रेस ने जीती थीं, हालांकि बाद में अमरवाड़ा उपचुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज कर ली। बालाघाट की छह सीटों में कांग्रेस ने चार और भाजपा ने दो सीटें जीती थीं। बड़वानी की चार में से तीन सीटें कांग्रेस और एक भाजपा के खाते में गई थीं। टीकमगढ़ की तीन सीटों में कांग्रेस ने दो और भाजपा ने एक सीट जीती थी। उपचुनाव के बाद इन चार जिलों में कांग्रेस के पास 15 और भाजपा के पास पांच सीटें हैं।

छिंदवाड़ा में भाजपा ने बदला समीकरण

छिंदवाड़ा को कांग्रेस का मजबूत किला माना जाता रहा है, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने यहां बड़ी सेंध लगाई। इसके बाद अमरवाड़ा उपचुनाव में भी भाजपा ने जीत हासिल की। जनविश्वास अभियान की शुरुआत भी मुख्यमंत्री ने छिंदवाड़ा से की थी। अभियान के दौरान सरकार ने अधिकारियों पर कार्रवाई का संदेश भी दिया। छिंदवाड़ा में तीन अधिकारियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई हुई। टीकमगढ़ में जिला पंजीयक सहकारिता को निलंबित किया गया, जबकि बड़वानी में भी कई अधिकारियों पर कार्रवाई की गई।

2028 से पहले जनता के बीच परीक्षा

राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, जनविश्वास अभियान मुख्यमंत्री और भाजपा सरकार के लिए दोहरी चुनौती है। सरकार जहां जनता की शिकायतों का समाधान कर भरोसा बढ़ाना चाहती है, वहीं कांग्रेस के मजबूत इलाकों में अपनी राजनीतिक जमीन भी मजबूत करना चाहती है। अब देखना होगा कि छिंदवाड़ा से बालाघाट तक मुख्यमंत्री का यह सीधा जनसंपर्क 2028 के चुनाव से पहले भाजपा के पक्ष में कितना बड़ा राजनीतिक बदलाव ला पाता है।

मुख्यमंत्री ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में दिए व्यापक निर्देश

प्रदेश के स्कूलों की सूरत बदलने की तैयारी जिला स्तर पर कलेक्टर रखेंगे पैनी नजर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अधोसंरचना विकास और व्यवस्थाओं को मजबूत करने का काम लगातार जारी रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ तकनीक आधारित व्यवस्थाओं को भी बढ़ावा दिया जाए, ताकि विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। मुख्यमंत्री गुरुवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में शासकीय शालाओं की अधोसंरचना, संधारण और संचालन व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे।

स्कूलों में सुविधाओं के विस्तार को मिले प्राथमिकता- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यालयों में नवीन निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूरा करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए अभियान चलाकर लंबित कार्यों को पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के हित में स्कूल भवन, पेयजल, स्वच्छता, शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न विभागों के बजट और संसाधनों का समन्वित उपयोग किया

80 टैंकों के ओव्हरहॉल की नई क्षमता

मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग प्रशासन और प्रबंधन को आसान बना सकता है। सभी जिलों को इस दिशा में सक्रियता से काम करना चाहिए। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। आवश्यकता के अनुसार सिपरी जैसे सॉफ्टवेयर का उपयोग कर पेयजल स्त्रोतों और जल स्तर जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त की जा सकती हैं। ऐसी तकनीकी जानकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और कार्यों को तेजी से पूरा करने में उपयोगी साबित हो सकती है।

तकनीक से आसान होगा स्कूलों का प्रबंधन

स्वच्छ एवं हरित विद्यालय कार्यक्रम के तहत मध्यप्रदेश के दो स्कूलों को भारत सरकार ने सम्मानित किया है। इनमें रतलाम जिले के जावरा का शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और भोपाल का शासकीय कमला नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। पिछले दो वर्षों में समेकित छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से करीब सवा करोड़ विद्यार्थियों को लाभ मिला है। शिक्षा पोर्टल के जरिए छात्रवृत्ति की राशि ऑनलाइन विद्यार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाई गई। इस अवधि में करीब 696 करोड़ रुपये की राशि विद्यार्थियों को प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूलों में नियमित साफ-सफाई, पर्याप्त पेयजल और क्रियाशील शौचालयों की व्यवस्था स्थानीय निकायों के माध्यम से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने उद्योग जगत, निवेशकों, सीएसआर, डीएमएफ, सांसद एवं विधायक निधि, स्थानीय संस्थाओं और जनभागीदारी से भी स्कूलों के विकास में सहयोग लेने पर जोर दिया। जिला स्तर पर इन सभी कार्यों के समन्वय और पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी कलेक्टरों को दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्कूलों के पूर्व छात्रों के सम्मेलन आयोजित करने की पहल पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि अनेक पूर्व छात्र अपनी पुरानी शिक्षण संस्थाओं के विकास में सहयोग देने के इच्छुक रहते हैं।

मप्र में पहली बार युवा बजट लाने की तैयारी में मोहन सरकार

किसानों- उद्योगपतियों के लिए भी खुलेगा सरकारी खजाना

वर्ष 2027 के पंचायत-नगरीय निकाय चुनाव से पहले मार्च में प्रस्तुत होगा बजट

वित्त विभाग ने सभी विभागों को वित्तीय वर्ष 2027-28 के बजट प्रस्ताव तैयार करने की अंतरिम सीमा दी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में वर्ष 2027 से चुनाव का सिलसिला प्रारंभ होने वाला है। पंचायत और नगरीय निकाय के चुनाव मई-जून में प्रस्तावित हैं। इससे पहले मार्च में प्रस्तुत होने वाले राज्य के बजट के फोकस में नगर और ग्राम सरकार रहेगी। वित्त विभाग ने बजट प्रस्ताव तैयार करने के लिए विभागों को जो अंतरिम सीमा दी है, उसमें गांव और शहर, दोनों को साधने की तैयारी दिखाई दे रही है। ग्रामीण विकास के लिए 31 हजार करोड़ रुपये तो नगरीय विकास के लिए 23 हजार करोड़ रुपये के प्रविधान किए जा सकते हैं।

इतना ही नहीं, मतदाताओं को सीधे प्रभावित करने वाली हितग्राहीमूलक जो योजनाएं हैं, उनमें से किसी का भी बजट कम नहीं होगा। चूंकि, प्रदेश में युवा मतदाताओं आयु समूह 18 से 29 वर्ष की संख्या 1.39 करोड़ से अधिक है, इसलिए इन्हें फोकस में रखते हुए इस बार युवा बजट भी प्रस्तुत करने की तैयारी है। इस बार नगरीय निकाय चुनाव पूरी तरह से प्रत्यक्ष प्रणाली यानी सीधे मतदाताओं के मध्यम से होंगे। वर्ष 2022 के चुनाव में नगर पालिका और नगर परिषद के चुनाव पार्षदों के माध्यम से कराए गए थे। इस व्यवस्था में संशोधन करके फिर पुरानी व्यवस्था लागू कर दी गई है।

ग्रामीण मतदाताओं को साधने की तैयारी

चूंकि, ये चुनाव 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी की रोशनी में होंगे, इसलिए सरकार का लक्ष्य नगरीय के साथ ग्रामीण मतदाताओं को साधना होगा। यही कारण है कि वर्ष 2027-28 के बजट की तैयारी के लिए वित्त विभाग द्वारा जो अंतरिम सीमा विभागों को दी गई है, उसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास के साथ नगरीय विकास को भरपूर राशि दी जा रही है। प्रस्ताव के अनुसार पंचायत के लिए 10,752 करोड़, ग्रामीण विकास के लिए 31,789 और नगरीय विकास के लिए 22,665 करोड़ रुपये रखे जा रहे हैं। नगरीय और ग्रामीण विकास के अलावा सरकार को जोर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर भी रहेगा। इसके लिए 23,305 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए हैं। सिंचाई का क्षेत्र 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने के लिए परियोजना को गति देने नर्मदा घाटी विकास और जल संसाधन विभाग को 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक मिल सकते हैं। किसानों और घरेलू उपभोक्ताओं को रियायती दर पर बिजली देने के लिए विद्युत कंपनियों को अनुदान देने का क्रम सरकार जारी रखेगी। इसके लिए ऊर्जा विभाग को 34,020 करोड़ रुपये मिल सकते हैं।

पुलिस प्रशिक्षण नीति छह महीने से शासन की मंजूरी में लंबित

मप्र पुलिस की ट्रेनिंग में बड़ा बदलाव 5 साल तक नहीं बदलेगा पाठ्यक्रम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विभिन्न स्तर के पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए पुलिस मुख्यालय ने पहली बार नीति तैयार की है, लेकिन छह माह से इसे शासन की स्वीकृति नहीं मिल पाई है। अभी यह परीक्षण की प्रक्रिया में है। नीति में प्रशिक्षण व्यवस्था में सुधार के लिए प्रशासनिक स्तर पर कई बदलावों के प्रविधान किए गए हैं। इसमें सबसे मुख्य यह है कि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में पांच वर्ष तक कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा। यह प्रस्ताव इसलिए रखा गया है कि अधिकारी बीच-बीच में अपनी रुचि के अनुसार प्रशिक्षण सामग्री जोड़ देते हैं। इसका नुकसान यह

होता है कि न तो उस पाठ्यक्रम की दृष्टि से प्रशिक्षक तैयार हो पाते हैं। शिक्षण की व्यावहारिक और सैद्धांतिक सामग्री में जल्दी-जल्दी बदलाव होने से समन्वय भी नहीं बन पाता है। प्रशिक्षण के तत्कालीन अतिरिक्त महानिदेशक राजा बाबू सिंह ने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और दूसरे राज्यों की प्रशिक्षण नीतियों के कुछ प्रविधान लेकर नीति का प्रस्ताव तैयार किया था। इसे डीजीपी कैलाश मकवाणा

अधिकारियों और प्रशिक्षकों को दो वर्ष तक हटाया नहीं जाएगा

इस नीति में प्रस्ताव रखा गया है कि प्रशिक्षण केंद्रों में पदस्थ होने वाले अधिकारियों और प्रशिक्षकों को दो वर्ष तक हटाया नहीं जाएगा। अच्छे रिकार्ड वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को ही प्रशिक्षण केंद्रों में पदस्थ किया जाएगा। उन्हें वेतन के अतिरिक्त भत्ता देने का भी प्रविधान किया गया है। इसके अलावा प्रशिक्षण केंद्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बजट का भी प्रविधान रखने के लिए प्रस्ताव रखा गया है।

भोपाल कलेक्टर ने तय की 30 दिन की डेडलाइन

जमीन आवंटन की फाइल अब नहीं अटकेगी; नया नियम लागू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शासकीय विभागों को जमीन आवंटित कराने के लिए अब महीनों तक राजस्व कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने नजूल निवर्तन नियम के तहत भूमि आवंटन की पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध करने के लिए पहली बार स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) लागू की है।

इसके तहत आवेदन प्राप्त होने से लेकर जांच, स्थल परीक्षण, विभिन्न विभागों से अभिमत और अंतिम रिपोर्ट भेजने तक प्रत्येक चरण की समयसीमा तय कर दी गई है। पूरी प्रक्रिया अधिकतम एक महीने में पूरी करने का लक्ष्य है। किसी स्तर पर फाइल अनावश्यक रूप से अटकी तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय होगी। एसओपी के

मुताबिक कलेक्टर कार्यालय की आरएम शाखा आवेदन प्राप्त होने के बाद तीन दिन में प्रकरण संबंधित एसडीएम को भेजेगी। एसडीएम को दो दिन में प्रकरण तहसीलदार या नायब तहसीलदार को जांच के लिए भेजना होगा। इसके बाद राजस्व अमला मौके का परीक्षण कर जमीन की स्थिति से जुड़ी जानकारी जुटाएगा। इसमें खसरा, नगरीय नक्शा, गूगल मैप, वेब जीआईएस मैप, कलेक्टर गाइडलाइन सहित जरूरी दस्तावेजों की जांच की जाएगी।तहसीलदार को संबंधित विभागों और स्थानीय निकायों से अभिमत लेने की प्रक्रिया भी शुरू करनी होगी। भूमि आवंटन से पहले नगर एवं ग्राम निवेश, लोक निर्माण विभाग, पुलिस आयुक्त कार्यालय, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय निकाय, विद्युत विभाग

चेकलिस्ट से होगा निराकरण

प्रशासन ने फाइलों को दस्तावेजों की कमी के नाम पर रोकने की व्यवस्था पर भी अंकुश लगाया है। दस्तावेज अधूरे मिलने पर संबंधित अधिकारी चेकलिस्ट पर हस्ताक्षर कर कमी स्पष्ट करेंगे और उसे पूरा कराया जाएगा। इसके बाद ही प्रकरण आगे बढ़ेगा। तहसीलदार की जांच रिपोर्ट एसडीओ के पास जाएगी। एसडीओ चेकलिस्ट के अनुसार दस्तावेजों का मिलान कर रिपोर्ट कलेक्टर कार्यालय भेजेंगे। सहित अन्य संबंधित विभागों से अभिमत या अनापत्ति प्राप्त की जाएगी। दूसरे विभाग के अधिपत्य से लगी भूमि होने पर वहां से भी अभिमत लेना अनिवार्य होगा।

भोपाल में कांग्रेस का अनूठा प्रदर्शन

महंगाई के विरोध में त्योहार लोन मांगने बैंक पहुंचीं महिलाए

भोपाल। त्योहारी सीजन के बीच लगातार बढ़ती महंगाई के खिलाफ भोपाल में कांग्रेस ने अनोखे तरीके से मोर्चा खोल दिया है। शहर के अलग-अलग हिस्सों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और महिलाओं ने सड़क से लेकर बैंक तक विरोध दर्ज कराया। जहां करोंद क्षेत्र में महिलाओं ने त्योहार मनाने के लिए बैंक से %त्योहार लोन% मांगा, वहीं कोलार में गैस सिलेंडर को माला पहनाकर और सड़क पर चूल्हा जलाकर सरकार पर निशाना साधा गया। नरेला विधानसभा क्षेत्र के करोंद स्थित जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की शाखा में महिलाओं ने कांग्रेस नेता और पूर्व प्रत्याशी मनोज शुक्ला के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। महिलाएं बैंक प्रबंधक के पास पहुंचीं और ज्ञापन सौंपते हुए

त्योहार लोन के आवेदन दिए।

महिलाओं का कहना था कि चीनी, खाद्य तेल, घी और मैदे जैसी जरूरी वस्तुओं के दाम इतने बढ़ गए हैं कि मध्यम और गरीब परिवारों की रसोई का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। महंगाई के कारण घर पर मिठाई बनाना भी मुश्किल हो गया है। मनोज शुक्ला ने कहा कि सरकार ने जनता से त्योहार की खुशियां छीन ली हैं, स्थिति यह है कि अब लोगों को पर्व मनाने के लिए भी कर्ज लेने को मजबूर होना पड़ रहा है।

मेट्रो एंकर | 5 सितंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रीना और ज्योतिबाला को करेंगी सम्मानित

प्रदेश के दो प्रशिक्षण अधिकारियों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो अधिकारियों को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए प्रदेश की दो प्रशिक्षण अधिकारियों का चयन किया है। इस उपलब्धि पर कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने दोनों अधिकारियों को बधाई देते हुए इसे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया है।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए मध्यप्रदेश से श्रीमती रीना गुप्ता और श्रीमती ज्योतिबाला राठौर को चुना गया है। रीना गुप्ता शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, उज्जैन में प्रशिक्षण

अधिकारी हैं, जबकि ज्योतिबाला राठौर राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला), इंदौर में कार्यरत हैं। देशभर से व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं उद्यमिता विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अधिकारियों की सूची में दोनों को मध्यप्रदेश के प्रतिनिधि के रूप में शामिल किया गया है।

रीना गुप्ता का चयन दिव्यांग प्रशिक्षणार्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हुआ है। उन्होंने दिव्यांग युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने के साथ उन्हें कौशल और रोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका कार्य कौशल विकास के क्षेत्र में समावेशी प्रशिक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण माना गया है। ज्योतिबाला राठौर का चयन व्यावसायिक प्रशिक्षण और उद्यमिता विकास के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार के साथ स्वरोजगार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास किए हैं। उनके चयन को प्रदेश में कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

5 सितंबर को विज्ञान भवन में सम्मान

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 का सम्मान समारोह 5 सितंबर 2026 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित होगा। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू चयनित प्रशिक्षण अधिकारियों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित करेंगी। पुरस्कार के तहत चयनित अधिकारियों को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र, 50 हजार रुपये की नगद राशि और पदक प्रदान किया जाएगा। राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने कहा कि दोनों प्रशिक्षण अधिकारियों का राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयन मध्यप्रदेश में गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के प्रशिक्षण अधिकारियों, प्रशिक्षकों और प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रेरणादायी है। दोनों अधिकारियों का चयन न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि मध्यप्रदेश के कौशल विकास तंत्र की कार्यक्षमता और उत्कृष्टता को भी राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करता है। इससे व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले अन्य प्रशिक्षकों और अधिकारियों को भी नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

कानून सख्त, सोच बदलने की बारी

दहेज भारतीय समाज की उन कुरीतियों में है, जिसके खिलाफ कानून बने दशकों बीत गए, लेकिन समस्या खत्म होने के बजाय कई रूपों में हमारे बीच मौजूद है। सुप्रीम कोर्ट का दहेज से जुड़े मामलों की सुनवाई तेज करने का हालिया निर्देश इसी कड़वी हकीकत की ओर ध्यान खींचता है। अदालत ने निचली अदालतों को आरोप तय करने की प्रक्रिया 60 से 90 दिनों के भीतर पूरी करने की दिशा में काम करने और लंबे समय से लंबित मामलों की प्राथमिकता से सुनवाई के निर्देश दिए हैं।

यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी महिला के साथ दहेज के नाम पर अत्याचार होने के बाद न्याय में देरी उसके लिए दूसरी सजा बन जाती है। मुकदमा वर्षों तक चलता रहे तो पीड़ित परिवार की आर्थिक और मानसिक परेशानी बढ़ती जाती है। दूसरी ओर, यदि आरोपी निर्दोष है तो उसके लिए भी वर्षों तक मुकदमे का बोझ किसी दंड से कम नहीं। इसलिए न्याय में तेजी का मतलब केवल दोषियों को जल्दी सजा देना नहीं, बल्कि हर पक्ष को समय पर न्याय देना है।

सुप्रीम कोर्ट ने दहेज निषेध कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने, दहेज निषेध अधिकारियों की भूमिका मजबूत करने और दहेज मृत्यु तथा उत्पीड़न से जुड़े मामलों को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया है। यह व्यवस्था तभी असरदार होगी, जब पुलिस, अभियोजन और अदालतें अपनी-अपनी जिम्मेदारी समयबद्ध ढंग से निभाएं। लेकिन केवल अदालतों से दहेज खत्म होने की उम्मीद करना वास्तविक समाधान नहीं है। दहेज का असली बाजार अदालत के बाहर, समाज के भीतर चलता है। विवाह को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रदर्शन बनाने की प्रवृत्ति ने इसे और मजबूत किया है। लड़की की शिक्षा, नौकरी और व्यक्तित्व की जगह कार, मकान, नकद और महंगे सामान को महत्व देना दरअसल उस मानसिकता का हिस्सा है, जो बेटी को बराबरी का नागरिक नहीं बल्कि आर्थिक लेन-देन का माध्यम समझती है।

विडंबना यह है कि दहेज के खिलाफ भाषण देने वाले समाज में ही विवाह के समय मांगों को 'रिवाज' या 'प्रतिष्ठा' का नाम देकर स्वीकार किया जाता है। कई परिवार खुले तौर पर मांग नहीं करते, लेकिन अप्रत्यक्ष अपेक्षाएं रखी जाती हैं। यही सामाजिक स्वीकृति इस कुरीति को जिंदा रखती है। कानून का डर जरूरी है, लेकिन उससे भी जरूरी सामाजिक अस्वीकार है। जिस दिन दहेज लेने वाले परिवार को सम्मान नहीं, शर्म का विषय माना जाएगा; जिस दिन माता-पिता बेटी की शादी में अपनी हैसियत दिखाने के बजाय उसकी शिक्षा और आत्मनिर्भरता को सबसे बड़ा उपहार मानेंगे; जिस दिन युवा स्वयं दहेज लेने से इनकार करेंगे, उस दिन इस कुरीति की जड़ कमजोर होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक प्रक्रिया की गति बढ़ाने का रास्ता दिखाया है। अब समाज को भी अपने भीतर झांकना होगा। दहेज के खिलाफ सबसे प्रभावी कानून वह सामाजिक सोच होगी, जिसमें बेटी की कीमत किसी रकम, कार या सामान से तय ही न हो।

कोर्ट परिसर और बाहर होते गैंगवार, सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर उठते सवाल

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

अदालतों और कचहरी परिसरों के बाहर इस तरह की आपराधिक घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल उठाती हैं और आम नागरिकों में डर पैदा करती हैं।अदालतों के बाहर लगातार बढ़ रही गैंगवार और गोलीबारी की घटनाएं देश में न्यायपालिका और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं दरअसल कई बार कोर्ट परिसरों के गेट पर पर्याप्त पुलिसकर्मी या मेटल डिटेक्टर नहीं होते हैं। वकीलों, मुवक्किलों और आम जनता की भारी भीड़ के कारण संदिग्ध लोगों की पहचान करना कठिन हो जाता है। आने-जाने वाले वाहनों और लोगों की सघन तलाशी न होना अपराधियों को मौका देता है।।देश के कई हिस्सों में अदालत परिसरों व उनके आस-पास अपराधी गिरोहों तथा अन्य लोगों द्वारा गोलीबारी और हिंसा का सिलसिला कुछ समय से जारी है जिससे ये स्थान असुरक्षित होते जा रहे हैं जिसका अनुमान पिछले दिनों लगातार हो रही घटनाओं से लगाया जा सकता है आपको बता दें 20 अगस्त 2026 को हरियाणा के हिसार कोर्ट परिसर में गोलीबारी की एक बड़ी घटना सामने आई, जिसमें ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर गैंगस्टर विनोद पाणु की हत्या कर दी गई।

आपको याद होगा 24 सितम्बर, 2021 को दिल्ली की रोहिणी अदालत के अंदर जज के सामने 2 हमलावरों ने गैंगस्टर जितेंद्र मान उर्फ गोगी को गोलियों से भून डाला।बिहार - फरवरी 2024: आरा सिविल कोर्ट गेट के पास बदमाशों ने पेशी पर आए एक बुजुर्ग आरोपी पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।8 जुलाई, 2022 को मोगा (पंजाब) के अदालत परिसर में एक केस के सिलसिले में पेशी भुगतने आए दोनों पक्षों के लोगों में पार्किंग एरिया में गाड़ी आगे बढ़ाने को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर गोलियां चला दीं।7 फरवरी, 2023 को लुधियाना में पेशी भुगतने आए लोगों के 2 गुटों के बीच बहस के बाद एक पक्ष द्वारा फायरिंग कर देने से 3 लोग घायल हो गए। 21 अप्रैल, 2023 को दिल्ली के साकेत कोर्ट परिसर में एक वकील ने पेशी भुगतने आई एक महिला के साथ पुराने विवाद के चलते उस पर गोलियां चला दीं जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। 6 जुलाई, 2023 को दिल्ली की तीस हजारी अदालत में 2 वकीलों के ग्रुपों के बीच झगड़े के बाद पहले दोनों धड़ों ने एक-दूसरे पर पत्थरों से हमला किया और फिर एक धड़े के वकील ने दूसरे धड़े के वकील पर गोली चला दी। 4 सितम्बर, 2025 को भिवानी (हरियाणा) अदालत परिसर में वकीलों के एक चैम्बर के निकट अपने परिचितों के साथ बैठे एक व्यक्ति पर हमलावरों ने गोलियां चला कर उसे मार डाला। इस मामले की जांच रिपोर्ट में पता चला कि हमलावर वास्तव में उक्त व्यक्ति को मारने नहीं आए थे। उनका निशाना तो बिजेंद्र और काला नामक 2 व्यक्ति थे। सुपारी लेकर हमलावरों ने उन दोनों की हत्या की योजना बनाई थी परंतु फायरिंग के दौरान गोली गलत व्यक्ति को लग गई।

16 मई, 2026 को खरखौदा (हरियाणा) अदालत में दहेज प्रताड़ना और घरेलू विवाद के मामले में पेशी भुगतने आए नीरज उर्फ कातिया के पेशी के बाद एस.डी.एम. कार्यालय के निकट पहुंचते ही कार में सवार हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं, जिससे नीरज की मौत हो गई।

6 अगस्त, 2026 को चरखी दादरी (हरियाणा) में अदालत में पेशी के बाद जा रहे 7 युवकों पर दूसरे पक्ष द्वारा अदालत परिसर से कुछ ही दूरी पर की गई ताबड़तोड़ फायरिंग के परिणामस्वरूप कार में सवार सभी युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिनमें से एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। उसकी गर्दन और पैरों पर 3 गोलियां लगी थीं। और अब 20 अगस्त, 2026 को हिसार (हरियाणा) के कोर्ट परिसर में गैंगस्टर विनोद काना पेशी भुगतने के बाद जब अपने साथियों के साथ पैदल चल कर बाहरी गेट के पास पहुंचा तो अचानक 2 हमलावरों ने ताबड़तोड़ 12 राऊंड से अधिक गोलियां बरसा कर विनोद काना की हत्या कर दी। इस हमले में गोली लगने से गैंगस्टर का एक साथी घायल हो गया तथा दूसरे के हाथ पर छर्रे लगे। ये तो सिर्फ कुछ वारदातें बानगी है आए दिन अपराधी अदालत में और बाहर परस्पर रंजिशन खून खराबा कर रहे हैं उन्हें कानून का तनिक भय नही है। इसी तरह की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए 12 अगस्त, 2023 को जस्टिस एस. रविंद्र भट्ट ने सुप्रीमकोर्ट में देश भर के न्यायिक परिसरों में अदालतों में सुरक्षा सम्बन्धी रणनीति बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा था कि, ऐसी घटनाएं न केवल जजों बल्कि वकीलों, अदालत के कर्मचारियों और आम जनता की सुरक्षा के लिए भी खतरा उत्पन्न करती हैं।

कोर्ट के बाहर अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सख्त प्रवेश नियंत्रण, आधुनिक तकनीक और पुलिस-प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता है।अदालत परिसरों की सुरक्षा और अपराधियों के नियंत्रण के मुख्य उपाय इस प्रकार हैं:सख्त प्रवेश नियंत्रण: प्रत्येक प्रवेश द्वार पर मेटल डिटेक्टर, डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और बैगेज स्कैनर लगाए जाएं। बिना वैध पहचान पत्र या कोर्ट पास के किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश वर्जित हो।सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था होनी चाहिए परिसर के चारों ओर, गेट और गलियारों में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाकर एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से 24 घंटे निगरानी की जाए। पुलिस विभाग द्वारा अदालत परिसरों के लिए एक विशेष और प्रशिक्षित सशस्त्र सुरक्षा बल तैनात किया जाए।यातायात और पार्किंग नियमन अदालत के आसपास अवैध पार्किंग और भीड़भाड़ पर पूरी तरह रोक हो, ताकि संदिग्ध वाहनों या व्यक्तियों की आवाजाही पर नजर रखी जा सके।खुफिया तंत्र और त्वरित कार्रवाई: स्थानीय पुलिस को अपराधियों की टोह लेने वाले और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल तत्वों की पहचान कर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश हों। इसके साथ ही अदालतों में पुलिस की तैनाती बढ़ा कर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने की जरूरत है ताकि वहां खूनखराबे और मारकाट की घटनाओं के चलते न्याय प्रक्रिया में बाधा न पड़े।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

कैंसर के खिलाफ नई उम्मीद... जब मरीज का अपना ही ट्यूमर बनाएगा इलाज का रास्ता

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

चिकित्सा विज्ञान के इतिहास में कुछ उपलब्धियां ऐसी होती हैं, जो केवल किसी बीमारी के इलाज की दिशा नहीं बदलतीं, बल्कि पूरी दुनिया को यह विश्वास दिलाती हैं कि असंभव दिखाई देने वाली चुनौतियों का समाधान भी विज्ञान खोज सकता है। कैंसर के खिलाफ विकसित की जा रही व्यक्तिगत वैक्सीन इसी श्रेणी की उपलब्धि है। हाई रिस्क मेलानोमा जैसे गंभीर त्वचा कैंसर के मरीजों के लिए सामने आई यह नई उम्मीद चिकित्सा जगत में किसी साधारण प्रगति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

अमेरिकी वैज्ञानिकों और दवा कंपनियों द्वारा विकसित की जा रही यह एमआरएनए आधारित व्यक्तिगत कैंसर वैक्सीन इसलिए खास है क्योंकि इसका लक्ष्य किसी एक बीमारी के लिए एक जैसी दवा बनाना नहीं, बल्कि मरीज के अपने ट्यूमर की आनुवंशिक विशेषताओं को समझकर उसके अनुरूप प्रतिरोधक क्षमता को तैयार करना है। यानी भविष्य में कैंसर का उपचार हर मरीज के लिए एक ही तरीके से नहीं, बल्कि मरीज के कैंसर की अपनी पहचान के आधार पर तय हो सकता है।

यही वह सोच है जो कैंसर उपचार की पारंपरिक व्यवस्था से आगे निकलती दिखाई देती है। लंबे समय से चिकित्सा विज्ञान कैंसर के इलाज के लिए सर्जरी, रेडिएशन, कीमोथेरेपी और इम्यूनोथैरेपी जैसी विधियों का इस्तेमाल करता आया है। इनसे करोड़ों मरीजों को लाभ मिला है, लेकिन कैंसर की सबसे बड़ी चुनौती यह रही है कि बीमारी दोबारा लौट सकती है या शरीर के दूसरे हिस्सों में फैल सकती है। नई व्यक्तिगत वैक्सीन इसी चुनौती को निशाना बनाने की कोशिश है। मेलानोमा त्वचा कैंसर का एक गंभीर प्रकार है। यह त्वचा में रंग पैदा करने वाली कोशिकाओं से विकसित होता है और कई मामलों में शरीर के दूसरे हिस्सों तक फैलने की क्षमता रखता है। इसलिए इसका समय पर पता लगना और उपचार के बाद बीमारी की वापसी को रोकना अत्यंत महत्वपूर्ण है। नई वैक्सीन की अवधारणा यहीं से शुरू होती है।वैज्ञानिक मरीज के ट्यूमर का आनुवंशिक विश्लेषण करते हैं और उन असामान्य प्रोटीन संकेतों की पहचान करने की कोशिश करते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं को स्वस्थ कोशिकाओं से अलग करते हैं। इन्हें नियोएंटीजन कहा जाता है। इसके बाद इन्हीं विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए वैक्सीन तैयार की जाती है। एमआरएनए तकनीक शरीर के प्रतिरोधक तंत्र को यह समझने में सहायता करती है कि उसे किन संकेतों पर ध्यान देना है। उद्देश्य यह है कि शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कैंसर कोशिकाओं को पहचान सके और उन्हें खत्म करने के लिए सक्रिय हो सके। इस अर्थ में यह वैक्सीन केवल बाहरी दवा के रूप में काम करने की कोशिश नहीं करती, बल्कि शरीर की अपनी सुरक्षा व्यवस्था को अधिक सटीक बनाने का प्रयास करती है।

कोविड वैक्सीन की तकनीक से कैंसर के खिलाफ नई लड़ाई: एमआरएनए तकनीक का नाम दुनिया ने कोविड महामारी के दौरान व्यापक रूप से सुना। कोविड के खिलाफ एमआरएनए आधारित टीकों ने इस तकनीक की संभावनाओं को दुनिया के सामने रखा। अब उसी वैज्ञानिक अवधारणा का इस्तेमाल कैंसर जैसी जटिल बीमारी के खिलाफ करने की कोशिश चिकित्सा विज्ञान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि कैंसर और संक्रामक रोगों के बीच बड़ा अंतर है। कैंसर शरीर की अपनी कोशिकाओं से उत्पन्न होता है, इसलिए प्रतिरोधक तंत्र के लिए उसे पहचानना अधिक कठिन हो सकता है। कैंसर कोशिकाएं स्वयं को स्वस्थ कोशिकाओं जैसा दिखाने और शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया से बचने के रास्ते भी खोज सकती हैं। ऐसे में मरीज के ट्यूमर की विशिष्ट पहचान के आधार पर वैक्सीन तैयार करने की अवधारणा बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है।

यह विज्ञान अभी विकास और नियामकीय समीक्षा की प्रक्रिया में है, इसलिए इसे कैंसर का अंतिम इलाज घोषित करना जल्दबाजी होगी। लेकिन इसके परीक्षणों से सामने आ रही सकारात्मक दिशा निश्चित रूप से आशाजनक है। चिकित्सा विज्ञान में किसी नई तकनीक का वास्तविक महत्व तभी साबित होता है जब बड़े और नियंत्रित परीक्षणों के परिणाम इसकी सुरक्षा और प्रभावशीलता को लगातार समर्थन दें।

इलाज से आगे बढ़कर रोकथाम की दिशा में कदम: कैंसर के मामले में सबसे बड़ी चिंता केवल बीमारी का उपचार नहीं, बल्कि उपचार के बाद उसकी वापसी भी है। मरीज सर्जरी और अन्य उपचारों के बाद स्वस्थ जीवन की ओर लौटता है, लेकिन कैंसर के दोबारा आने का डर उसके साथ बना रहता है। व्यक्तिगत कैंसर वैक्सीन की सबसे बड़ी संभावनाओं में से एक इसी चिंता को कम करने की कोशिश है। यदि शरीर की प्रतिरोधक प्रणाली कैंसर कोशिकाओं की विशिष्ट पहचान को याद रख सके और भविष्य में उसी प्रकार की कोशिकाओं को पहचानकर प्रतिक्रिया दे सके, तो कैंसर की वापसी के जोखिम को कम करने में सहायता मिल सकती है। यह विचार कैंसर उपचार को एक नए दर्शन की ओर ले जाता है। अब सवाल केवल यह नहीं रह जाता कि मौजूद कैंसर को कैसे हटाया जाए, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि शरीर को भविष्य में उस बीमारी के खिलाफ अधिक सक्षम कैसे बनाया जाए।

कैंसर के खिलाफ यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, लेकिन व्यक्तिगत वैक्सीन ने निश्चित रूप से यह संदेश दिया है कि मानवता के पास इस कठिन बीमारी को चुनौती देने के लिए विज्ञान की शक्ति मौजूद है। अमेरिका में जन्मी यह वैज्ञानिक उपलब्धि यदि पूरी दुनिया के मरीजों तक पहुंचती है, तो यही उसकी सबसे बड़ी सफलता होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

चोट के निशान लम्बे समय बने रहें तो हो सकती है विटामिन K की कमी

शरीर पर चोट लगने के बाद नीला या बैंगनी निशान पड़ना आम बात है। आम बोलचाल की भाषा में इसे नील पड़ना भी कहते हैं। दरअसल, चोट लगने पर त्वचा के नीचे मौजूद छोटी रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं और उनमें से थोड़ा खून आसपास के टिशू में जमा हो जाता है। इसे नील पड़ना या कंट्यूजन कहा जाता है। ज्यादातर सामान्य चोट के निशान कुछ समय में अपने आप ठीक हो जाते हैं। लेकिन अगर बिना किसी बड़ी चोट के बार-बार शरीर पर नीले निशान दिखाई देने लगे, छोटे-से टकराने पर भी काफी बड़ा

निशान बन जाए या इसके साथ मसूड़ों से खून आना, नाक से खून आना अथवा घाव से लंबे समय तक रक्तस्राव जैसी समस्या हो, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। गंभीर रूप में जब शरीर में विटामिन K की गंभीर कमी होती है, तो कुछ विटामिन K-निर्भर क्लॉटिंग फैक्टर पर्याप्त रूप से काम नहीं कर पाते। इसका परिणाम यह हो सकता है कि खून को जमने में सामान्य से ज्यादा समय लगे और रक्तस्राव या आसानी से त्वचा पर नीले निशान बनने की समस्या हो सकती है। वयस्कों में गंभीर विटामिन च की कमी काफी दुर्लभ मानी जाती है। यह खासतौर पर उन लोगों में देखी जा सकती है जिन्हें आंतों से पोषक तत्वों को अवशोषित करने में समस्या है, कुछ विशेष बीमारियां हैं या कुछ ऐसी दवाएं लेते हैं जो विटामिन K के मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करती हैं।

क्लीवलैंड क्लीनिक और अन्य स्रोतों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिकांश स्वस्थ वयस्कों में संतुलित भोजन से पर्याप्त विटामिन K मिल सकता है। खासकर पत्तेदार सब्जियों में। पालक विटामिन के का अच्छा स्रोत है। इसे सब्जी, दाल या सूप के रूप में डाइट में शामिल किया जा सकता है। ब्रोकोली में विटामिन च के साथ फाइबर और कई अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसे हल्का पकाकर या भाप में तैयार करके खाया जा सकता है। मेथी के हरे पत्ते भी विटामिन च सहित कई अन्य पोषक तत्व प्रदान करते हैं। इन्हें सब्जी या पराठे के रूप में खाया जा सकता है।

विटामिन च की कमी रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया को प्रभावित करके आसानी से नीले निशान और रक्तस्राव का कारण बन सकती है, लेकिन स्वस्थ वयस्कों में ऐसी कमी आम नहीं है। बार-बार नीले निशान होने पर केवल डाइट बदलना पर्याप्त नहीं है। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से मिलें।

सुविचार

अगर आप अपनी गलतियों से सीख लेते हैं
तो गलतियां आपके लिए सीढ़ी है।
-अज्ञात

निशाना

सारा झमेला हो गया

मनोज साहू 'निडर'

क्या खबर ये रोग है या कोई खेला हो गया।
नाम शक्कर का लिया तो मुँह कसैला हो गया।
जी रहा गुमनाम था सबकी हिकारत झेलकर,
आज वो सबका दुलारा 'गुड़ का भेला' हो गया।
आपकी मेहमाँ-नवाज़ी हम करें तो क्या करें,
चाय-मीठा उड़ गया पानी अकेला हो गया।
सोच में वो ही पड़ें जिनको मिठाई चाहिए,
अपनी थाली का सिकंदर अब करेला हो गया।
चल रही थी ज़िंदगी अपनी बड़े ही ठाठ से,
एक शक्कर क्या बढ़ी सारा झमेला हो गया।
डर नहीं लगता हमें इस दो-गुनी महँगाई से,
पर 'निडर' भी क्या करे रुपया ही धेला हो गया।

टेक्नो अपडेट

अब बैग में रखने वाली पोर्टेबल पवन चक्की हवा के हल्के झोंकों से बनाएगी बिजली

आपने अभी तक पोर्टेबल पावरबैंक के बारे में सुना होगा जिससे आप अपने फोन-टैबलेट या लैपटॉप जैसे डिवाइस भी चार्ज कर सकते हैं लेकिन कैसा हो कि आप अपनी खुद की पोर्टेबल पवन चक्की भी साथ लेकर चल सकें, जो कि कहीं भी आपको हवा की मदद से बिजली बनाकर दे सके। दरअसल कोलोराडो स्थित स्टार्टअप डीआईवाई इलेक्ट्रॉनिक्स ने ऐसा ही अनोखा पोर्टेबल विंड टर्बाइन यानी कि पवन चक्की बनाई है। इसका नाम Ventyra R1 है।

Ventyra R1 एक पोर्टेबल पवन चक्की है, जिसे कि उन इलाकों के लिए बनाया गया है, जहां बिजली की समस्या रहती है। इसके अलावा आउटडोर एडवेंचर के शौकीन या कैंपिंग करने वाले लोग भी इसका फायदा उठा सकते है। आमतौर पर पोर्टेबल विंड टर्बाइन काफी भारी होते हैं लेकिन Ventyra R1 की खूबी है कि यह सिर्फ 1 किलो का ही है और इसे काफी आसानी से साथ लेकर चला जा सकता है। इसे तरह से डिजाइन किया गया है कि इसे बिजली बनाने के लिए तेज रफ्तार हवा नहीं चाहिए होती। यह हल्की हवा के झोंकों से भी बिजली बना सकता है। इसके अलावा इसमें एक टेल वेन दी गई है, जिसकी मदद से यह खुद को हवा की दिशा में अपने आप सेट कर लेता है। इस पवन चक्की के साथ एक फोल्डेबल ट्राइपॉड स्टैंड और 4 ग्राउंड स्टेक्स यानी कि खूंटे भी मिलते हैं, जिससे इसे टेंट की तरह जमीन में मजबूती से गाड़ा जा सकता है।

इस पोर्टेबल पवन चक्की से बनने वाली बिजली को एक XT60 आउटपुट केबल के जरिए पावर हब में भेजा जाता है। यह डिवाइस 75W पीक लोड और 12V DC को सपोर्ट करता है। अगर हवा तेज हो, तो यह सिर्फ 35 मिनट में स्मार्टफोन को फुल चार्ज कर सकता है। इसके पावर हब से स्मार्टफोन, टैबलेट, पावर-बैंक, ड्रोन्स्कैमरा, इमरजेंसी लाइट्स और यहीं तक कि लैपटॉप भी आसानी से चार्ज किया जा सकता है। पवन चक्की के पावर हब में एक साथ कई Ventyra R1 को कनेक्ट किया जा सकता है, जिससे जाहिर तौर पर ज्यादा बिजली बनती है। इसके अलावा इसे बेहतर बैकअप के लिए सोलर पैनल के साथ भी पेयर किया जा सकता है। इससे यह दिन में धूप और रात में हवा से बिजली बनाना जारी रख सकता है।

वायरल कंटेंट

30 साल में बस एक बार फूल खिलाकर मर जाता है पौधा, जाते-जाते छोड़ जाता है निशानी

प्रकृति में कई अद्भुत रहस्य छिपे होते हैं। कुछ पेड़-पौधे सालों तक इंतजार करते हैं और फिर एक बार खिलकर अपनी जिंदगी खत्म कर देते हैं। ऐसा ही एक अनोखा पौधा हिमालय की गोद में पाया जाता है। इसका नाम है सिक्किम सुंदरी। ये पौधा सात से तीस साल के लंबे इंतजार के बाद सिर्फ एक बार फूल देता है। फूल खिलने के बाद तीन महीने तक अपनी खूबसूरती बिखेरता है और फिर पौधा हमेशा के लिए मर जाता है। जाते-जाते वो एक खास निशानी छोड़ जाता है जो लोगों को इसकी याद दिलाती रहती है।

सिक्किम और आसपास के हिमालयी क्षेत्रों की ठंडी जलवायु में ये दुर्लभ पौधा उगता है। कड़कड़ाती ठंड और ऊंचाई वाले इलाकों में ये धीरे-धीरे बढ़ता है। सालों तक ये सिर्फ पत्तियां और तना विकसित करता है। जब अंदर पर्याप्त ऊर्जा जमा हो जाती है तभी फूल आने की प्रक्रिया शुरू होती है। ये घटना इतनी दुर्लभ है कि कई लोग इसे जिंदगी में एक बार देखने का सौभाग्य भी नहीं पाते। फूल आने पर पौधा सात मीटर तक ऊंचा हो सकता है। ये नजारा बेहद भव्य होता है। बड़े-बड़े फूलों का गुच्छा दूर से ही नजर आने लगता है। फूलों का रंग और आकार ऐसा होता है कि देखने वाले मंत्रमुग्ध रह जाते हैं।

तीन महीने की जिंदगी: तीन महीने तक ये फूल खिले रहते हैं। इस दौरान मधुमक्खियां, तितलियां और अन्य कीट इनके आसपास मंडराते रहते हैं। परागण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पौधा बीज छोड़ता है और फिर धीरे-धीरे सूखने लगता है।

वैज्ञानिक भाषा में ऐसे पौधों को मोनोकार्पिक कहा जाता है। ये पौधे अपना पूरा जीवन एक बार फूलने और बीज बनाने में लगा देते हैं। उसके बाद उनकी जीवन यात्रा खत्म हो जाती है। हिमालय की कठिन परिस्थितियों में ये रणनीति उन्हें जीवित रहने में मदद करती है। लंबी अवधि तक ऊर्जा जमा करके वे सुनिश्चित करते हैं कि बीज अच्छी संख्या में बनें और नई पीढ़ी आगे बढ़े। सिक्किम सुंदरी की खेती सामान्य तरीके से नहीं की जा सकती। इसे अपनी प्राकृतिक ठंडी और ऊंचाई वाली जलवायु की जरूरत होती है। इसलिए ये मुख्य रूप से जंगली क्षेत्रों में ही सीमित है। वन विभाग और शोधकर्ता इसके संरक्षण पर जोर दे रहे हैं क्योंकि जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों से ऐसे दुर्लभ पौधे खतरे में हैं।

न्यूज विंडो

खेतों से मोटर के कॉपर केबल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

मुलताई। पुलिस द्वारा किसानों के खेतों से सिंचाई मोटर की कॉपर केबल चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 09 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से 120 किलोग्राम कॉपर केबल वायर एवं चोरी में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल सहित कुल 2 लाख 29 हजार 400 रुपए का मशरूका बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार थाना मुलताई क्षेत्र के ग्राम चिखलीकला, सावंगी एवं तिवरखेड़ में किसानों के खेतों से अज्ञात चोरों द्वारा रात्रि के समय सिंचाई मोटरों की तांबे की केबल काटकर चोरी किए जाने की घटनाएं सामने आई थीं। चोर रात्रि लगभग 12 बजे से सुबह 06 बजे के मध्य खेतों में पहुंचकर मोटर की कॉपर केबल चोरी कर रहे थे।उक्त घटनाओं के संबंध में थाना मुलताई में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गए थे। घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए थाना मुलताई पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों तथा साइबर सेल की सहायता से संदिग्धों की पहचान की। पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास करते हुए 09 संदिग्ध आरोपियों को चिन्हित कर हिरासत में लिया गया।

माता-पिता की जेब में रुपए नहीं, संबल से भरा 5 माह के अयांश के दिल का छेद

गुना। पांच माह के अयांश के दिल में छेद था। माता-पिता को तीन माह पहले इसकी जानकारी मिली तो वे परेशान हो गए। घरवाले उसे लेकिन अस्पतालों की दौड़ लगाने लगे। पलवल से लेकर बड़े अस्पतालों के चक्कर काटे। इलाज पर आने वाले मोटे खर्च को लेकर भी चिंतित थे। ऐसे अंधेरे के बीच राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) अयांश के परिवार के लिए उम्मीद की एक नई किरण बनकर आया। अयांश के मामा प्रदुमन मीणा जब उसे लेकर स्थानीय डॉक्टरों के पास पहुंचे तो मासूम को तुरंत जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र (डीईआईसी) भेजा गया। यहां प्रबंधक विनीता सोनी ने न केवल परिजनों का हौसला बंधाया, बल्कि शासन की निःशुल्क इलाज योजना से उनका संबल बनीं। आरबीएसके टीम की तत्परता से अयांश को बिना किसी वित्तीय बोझ के तुरंत एसआरसीसी अस्पताल मुंबई भेजा गया। बीते 12 अगस्त को जब विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अयांश की सफल ओपन हार्ट सर्जरी की, तो न केवल एक मासूम की धड़कने सामान्य हुईं, बल्कि पूरे परिवार के चेहरे पर महीनों बाद राहत की मुस्कान लौट आई। अब पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौटे अयांश को देखकर मामा प्रदुमन मीणा का गला भर आता है; उन्होंने भावुक होकर स्वास्थ्य विभाग और डॉक्टरों का आभार जताया।

रक्षाबंधन पर रेलवे का बड़ा तोहफा कटनी रूट पर दौड़ेंगी 5 स्पेशल ट्रेनें

कटनी। रक्षाबंधन पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने बड़ी राहत दी है। ट्रेनों में बढ़ती भीड़ और लंबी वेटिंग को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने कटनी और कटनी मुड़वारा रूट से गुजरने वाली 5 स्पेशल ट्रेनों के संचालन का फैसला लिया है। इसके साथ ही यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है। रक्षाबंधन पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए पश्चिम-मध्य रेलवे ने विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। रेलवे प्रशासन के अनुसार कटनी स्टेशन और कटनी मुड़वारा होकर गुजरने वाली कुल 5 स्पेशल ट्रेनों का संचालन विभिन्न फेरों में किया जाएगा। इससे रक्षाबंधन के दौरान घर जाने वाले हजारों यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे द्वारा भोपाल-रीवा-भोपाल सुपरफास्ट स्पेशल (02155/02156 एवं 02189/02190) को 25 से 31 अगस्त के बीच कई फेरों में चलाया जा रहा है। यह ट्रेन भोपाल से बीना, सागर, दमोह और कटनी मुड़वारा होते हुए रीवा पहुंचेगी, जिससे विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्र के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

खाद्य विभाग ने 1,426 किलो घी, 650 किलो खोया और 42 किलो पनीर जब्त

नर्मदापुरम। त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने जिलेभर में सघन जांच अभियान चलाया। पिछले एक महीने में दुकानों, एजेंसियों, बसों और अन्य परिवहन साधनों की जांच कर विभिन्न खाद्य पदार्थों के 126 नमूने लिए गए हैं। इनमें घी, मिठाई, सोनपापड़ी, रसगुल्ला, बेसन, सोयाबीन तेल और नमकीन शामिल हैं। जांच के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग ने 1,426 किलो घी जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 7.30 लाख रुपए है। इसके अलावा 42 किलो पनीर करीब 12 हजार रुपए और 650 किलो खोया करीब 2 लाख रुपए कीमत का जब्त किया गया। खोया कटियार बस से बरामद किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश एस. दियावार के अनुसार विभाग को प्राप्त जांच रिपोर्ट में नंद कृष्णा घी, संगाथ घी और ब्रजवासी घी के नमूनों को असुरक्षित और मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पाया गया है। संबंधित विक्रेताओं और निर्माताओं को अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। इनके खिलाफ नियमानुसार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों बीएस धाकड़, जितेंद्र सिंह राणा और कमलेश एस. दियावार की टीम ने यह कार्रवाई की। लिए गए 126 नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने बताया कि त्योहारों को देखते हुए जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

प्रशासन को नहीं दिखे गड्ढे तो ग्रामीणों ने खुद संभाली कमान

गुना। दोपहर मेट्रो

गुना जिले के लोधा नोनेरा गांव में प्रशासन की लापरवाही से जहां जर्जर सड़क पर लोग चलने को मजबूर थे। वहीं, ग्रामीणों ने अपने हौसले के दम पर खुद के लिए सड़क मरम्मत का काम शुरू किया। दरअसल, लोधा नोनेरा गांव का रास्ता लंबे समय से बदहाल है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने के कारण ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चों को भी रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के बाद गड्ढों में पानी भरने से पूरी राह कीचड़युक्त हो रही थी। 50 से अधिक परिवार वाले इस गांव के लोगों ने कई बार प्रशासन से इसकी शिकायत की। अफसरों को बताया कि बमोरी स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थी भी इसी रास्ते से होकर स्कूल जाते हैं। खराब रास्ते के कारण बच्चों को काफी दिक्कत होती है। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए भी रास्ते से निकलना मुश्किल हो रहा है। गड्ढों में पानी भरने से उनकी गहराई का पता नहीं चलता। इससे हादसे का खतरा बना रहता है। इसके बाद भी अफसर नहीं जागे तो ग्रामीणों ने खुद ही सड़क मरम्मत का काम शुरू कर दिया।

पंचायत भी सुनने को तैयार नहीं

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की समस्या को लेकर पंचायत स्तर से लेकर प्रशासन के अफसरों तक शिकायत की गई, लेकिन किसी ने रास्ते की सुध नहीं ली। लगातार शिकायतों के बाद भी जब समस्या का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीणों ने अब प्रशासन का इंतजार करना छोड़ दिया और खुद ही सड़क सुधारने का काम शुरू कर दिया। उन्होंने ट्रैक्टर से मुरम और अन्य सामग्री मंगवाई और खुद ही सड़क पर फावड़े चलाने लगे।

ठगी करने वाली फर्जी आईएएस के ससुराल और मायके पर पुलिस ने दी दबिश

पांच सितारा होटलों की शौकीन तृप्ति सिंह 'भारत सरकार' लिखी गाड़ी में घूमती थी, घर में सजा रखे थे मोमेंटो

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो

जिले के चंदेरी में सरकारी नौकरी का सपना दिखाकर बेरोजगार युवाओं की जेब पर डाका डालने वाली फर्जी आइएएस तृप्तिसिंह राजपूत के हाई-प्रोफाइल ठगी साम्राज्य का पुलिस ने पूरा कच्चा चिट्ठा खोल दिया है। खुद को मानव संसाधन विकास मंत्रालय की अधिकारी और टूरिज्म विभाग की एडिशनल डायरेक्टर बताकर चंदेरी के चार युवाओं से 9.80 लाख रुपए ठगने वाली मास्टरमाइंड तृप्ति और उसके भाई सुधांशु को न्यायालय ने जेल भेज दिया है। पुलिस की तीन दिन की रिमांड पूछताछ और भोपाल में हुई छापेमारी में चौकाने वाले खुलासे हुए है, जिनसे पता चला है कि ठगी के रुपयों से यह शातिर महिला कितनी लग्जरी लाइफ जी रही थी।

मामले की जानकारी देते हुए चंदेरी थाना प्रभारी प्रशांत यादव ने बताया कि 23 अगस्त 2026 को जयकुमार कोली और उनके साथियों की रिपोर्ट पर फर्जी आइएएस और उसके भाई को गिरफ्तार किया गया था। इस न्यायालय से तीन दिन का पुलिस रिमांड मिलने के बाद टीम भोपाल गई थी। पुलिस ने अयोध्या नगर भोपाल निवासी डाइवर भूपेंद्र बैरागी को भी गिरफ्तार कर लिया है जिसके पास से वह कार भी बरामद कर

ली गई है, जिस पर भारत सरकार (नेम प्लेट) लिखा रहता था और जिसका इस्तेमाल ठगी के लिए रौब जमाने में होता था। आरोपियों के घर संत आसाराम नगर बागमुगलिया से फरियादियों से लिए गए दस्तावेजों की छायाप्रतियां जब्त की गई। थाना प्रभारी के मुताबिक मूल दस्तावेज संभवतः आरोपियों द्वारा नष्ट कर दिए गए हैं, जिसके चलते मामले में साक्ष्य मिटाने की धारा भी बढ़ाई गई है। पुलिस ने इस मामले में नए सबूत मिलने के बाद प्रकरण में धारा 319(2) और 61(2) बीएनएस का इजाफा किया है। गुरुवार को रिमांड खत्म होने पर तीनों आरोपियों तृप्तिसिंह, सुधांशुसिंह और ड्राइवर भूपेंद्र बैरागी को न्यायालय में पेश किया गया। आरोपियों के परिजनों ने जमानत के लिए आवेदन लगाया था, लेकिन न्यायालय ने तीनों को जेल भेज दिया है। एसपी राजीवकुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपियों का तीन दिन का पीआर खत्म हो गया है। कुछ और भी साक्ष्य अभी संकलित करना है, आगे आवश्यकता अनुसार जरूरत होगी तो फिर से आरोपियों की पीआर ली जाएगी। तीन-चार अन्य लोगों के साथ भी फ्रॉड होने की जानकारी प्रारंभिक तौर पर आई है, जो जिले से बाहर के हैं, उनसे पूछताछ की जाएगी यदि फ्रॉड हुआ है तो संबंधित थानों को सूचना दी जाएगी। मामले में दो आरोपी अभी फरार हैं।

आईफोन, हवाई यात्रा और 5 स्टार होटल जैसे महंगे शौक

पुलिस रिमांड के दौरान जब जांच टीम आरोपियों को लेकर भोपाल पहुंची, तो उनके मायके (बागमुगलिया) और ससुराल (अलकापुरी) दोनों जगहों पर सघन तलाशी ली गई। जांच में यह बात सामने आई कि चंदेरी के युवाओं से लूटे गए पैसों से आरोपी तृप्तिसिंह लग्जरी लाइफ जी रही थी। पुलिस को घर से महंगे आईफोन खरीदने की रसीदें मिली हैं। वह महंगी होटलों में रुकने की शौकीन थी, ठगी के रुपयों से ही वह हवाई यात्राएं करती थी, जिसके टिकट और अन्य साक्ष्य पुलिस के हाथ लगे हैं। आरोपियों के बड़े-बड़े होटलों में रुकने और फ्लाइट्स से यात्रा करने के सुबूत पुलिस जांच में सामने आए हैं। पुलिस की छापेमारी में जो तस्वीरें सामने आई हैं। वह किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं हैं। लोगों पर रौब झाडने व खुद को बड़ा अधिकारी साबित करने आरोपी महिला ने फर्जी अवॉर्ड और ट्रॉफियां बनवा रखी थीं। आरोपी के ससुराल (अलकापुरी) से पुलिस ने सुनहरे रंग की ट्रॉफी (मोमेंटो) जब्त की है। इस लकड़ी व सुनहरे रंग की शील्ड पर बकायदा अशोक स्तंभ लगा हुआ है। शील्ड पर बड़े अक्षरों में लिखा है 11 जनवरी से 26 जनवरी 2024, डॉ. तृप्तिसिंह यंगेस्ट ऑफिसर ट्रेनी प्रोफेसर ऑफ मप्र। यह फर्जी ट्रॉफी लोगों को विश्वास दिलाने थी कि वह एक सम्मानित अधिकारी है।

अमृत हरित क्रांति महाअभियान: नगरपालिका को 52 हजार पौधे रोपित करने का लक्ष्य

नगर पालिका मंडीदीप ने 31 हजार पौधे रोपित कर हरा भरा बनाया शहर

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

अमृत हरित क्रांति हरित आवरण बढ़ाने के लिए देश भर में शुरू हुआ जो वृहद पौधरोपण अभियान के अंतर्गत मंडीदीप नगर पालिका को शासन द्वारा 52 हजार पौधे रोपित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके अंतर्गत बॉस, गुलमोहर, कनेर, नीम, कचनार ओर इंडियन क्रिसमस के पौधे रोपे गए जो ब्रिज से डिवाइडर तक, एकेवीएन पार्क, हनुमान कुटी, शमशान घाट वार्ड क्रमांक 23, पिपलिया गज्जू सहित उद्योगों में भी जनभागीदारी से लगभग 31 हजार पौधे रोपित किया गए जिसमें से 26,670 पौधे पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं यह अभियान 31 अगस्त तक पौधे रोपित किए जाएंगे।

अमृत हरित क्रांति महाअभियान के तहत अब देश के कृषि क्षेत्र के साथ-साथ वन और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सरकार ने अमृत हरित क्रांति पौधरोपण एवं पर्यावरण अभियान की घोषणा की है,

जिसके तहत देश भर में करोड़ों नए फलदार और छायादार पौधे लगाए जाएंगे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना, मिट्टी के कटाव को रोकना और किसानों को कृषि-वानिकी के जरिए अतिरिक्त आय के साधन उपलब्ध कराना है। एक पेड़ मां के नाम और जियो-टैगिंग- लगाए गए हर पौधे की डिजिटल ट्रैकिंग (जियो-टैगिंग) की जाएगी ताकि उनकी उत्तरजीविता सुनिश्चित की जा सके।विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम न केवल कार्बन उत्सर्जन घटाने में मददगार साबित होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध हवा और पानी की उपलब्धता भी सुनिश्चित करेगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुधीर उपाध्याय ने बताया कि अमृत हरित क्रांति महाअभियान के अन्तर्गत मंडीदीप नगरपालिका को शासन द्वारा 52 हजार पौधे रोपित करने का लक्ष्य दिया गया था परंतु हमने उद्योगों और जनभागीदारी की मदत से अभी तक 31 हजार पौधे रोपित किए है शीघ्र ही लक्ष्य तक पहुंचेंगे।

बैठक में निर्णय: जनसहभागिता मॉडल पर होगा बिदिया कॉलोनी का विकास

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक शहर मंडीदीप के वार्ड 24 स्थित में बिदिया कॉलोनी कॉलोनीवासियों और नगर पालिका प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिसकी जानकारी देते हुए सीएमओ सुधीर उपाध्याय ने बताया कि बैठक में कॉलोनी के बुनियादी ढांचे के विकास और मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। 3 करोड़ 30 लाख रुपए की लागत से कॉलोनी को विकसित किया जाएगा जिसमें से 66 लाख रुपए कॉलोनी वासियों को जमा करना है बाकी पैसे जमा होने के बाद नगर पालिका बचे पैसे मिलाकर कॉलोनी को विकसित करेंगी पैसे 15 सितम्बर को 3 दिन का कैंप लगा कर पैसे इकट्ठे किए जाएंगे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कॉलोनी के समग्र विकास के लिए जनसहभागिता मॉडल अपनाया जाएगा।इसके तहत कुल विकास लागत का 20 प्रतिशत अंशदान कॉलोनीवासियों द्वारा दिया जाएगा, जबकि शेष 80 प्रतिशत राशि नगर पालिका द्वारा वहन की जाएगी। स्थानीय निवासियों द्वारा अंशदान की राशि जमा होते ही कॉलोनी में सड़क निर्माण, पक्की नालियां और प्रकाश व्यवस्था (स्ट्रीट लाइट) जैसे आवश्यक बुनियादी कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू कर दिए जाएंगे। बुधवार को आयोजित हुई इस बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुधीर उपाध्याय, नगर पालिका इंजीनियर अभिषेक बाथम एवं सुबिया खान, वार्ड पार्षद अजीत मारण विशेष रूप से मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी में लिए गए इस फैसले से बिदिया कॉलोनी के विकास को एक नई दिशा मिल जाएगी।

मेट्रो एंकर — महिलाओं के इंटरनेट उपयोग में तीन साल में छह गुना से अधिक हुई वृद्धि

डिजिटल दुनिया तक पहुंचीं महिलाएं, इंटरनेट इस्तेमाल में 6 गुना उछाल

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो

चूल्हे-चौके से निकलकर अब जिले की महिलाएं डिजिटल दुनिया में अपनी मजबूत धाक जमा रही हैं। स्मार्टफोन की स्क्रीन पर दुनिया मुट्ठी में करने की ललक इस कदर है कि इंटरनेट के इस्तेमाल में जिले की महिलाओं ने अभूतपूर्व छलांग लगाई है। पिछले महज तीन सालों में इंटरनेट चलाने वाली महिलाओं की संख्या में छह गुना से अधिक का जबर्दस्त इजाफा हुआ है।

यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि आधी आबादी के सशक्त, जागरुक और स्मार्ट होने की एक दमदार तस्वीर है, जिसने पूरे ग्वालियर-चंबल संभाग में अशोकनगर को विकास के नए पायदान पर खड़ा कर दिया है। हाल ही में जारी हुए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के ताजा आंकड़ों ने महिलाओं में आए इस सुखद और क्रांतिकारी बदलाव का खुलासा किया है। सर्वेक्षण के मुताबिक, तीन साल पहले (एनएफएचएस-5 के समय) जिले में मात्र 10.8 प्रतिशत महिलाएं ही इंटरनेट का उपयोग करती थीं। जो

अपने आप में एक बेहद चिंताजनक आंकड़ा था। लेकिन अब यह आंकड़ा 57.8 प्रतिशत के ऐतिहासिक उछाल के साथ 68.6 प्रतिशत पर पहुंच गया है। यानी अब जिले की हर 10 में से करीब 7 महिलाएं इंटरनेट से जुड़ चुकी हैं। वहीं, पुरुषों की बात करें तो इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले पुरुषों का आंकड़ा तीन साल में 54.6 प्रतिशत से बढक़र 78.2 प्रतिशत हुआ है। आंकड़े साफ गवाही दे रहे हैं कि वृद्धि की रफ्तार में महिलाओं ने पुरुषों को बहुत पीछे छोड़ दिया है। डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ आत्मनिर्भरता भी बढ़ी है। वर्ष 2019-21 में जिले में केवल 20.2 प्रतिशत महिलाओं के पास अपना खुद का मोबाइल था, लेकिन मात्र तीन साल में यह संख्या बढ़कर अब 36.9 प्रतिशत हो गई है। खुद का मोबाइल होने से महिलाओं की सूचनाओं तक सीधी पहुंच सुनिश्चित हुई है।

ग्वालियर-चंबल संभाग में अशोकनगर बना सिरमौर

ग्वालियर व चंबल संभाग के अन्य जिलों की तुलना में अशोकनगर का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा है। संभाग में इंटरनेट उपयोग करने वाली महिलाओं की संख्या में तीन साल के भीतर सबसे ज्यादा 57.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी अकेले अशोकनगर में दर्ज की गई है, जो पूरे संभाग में सर्वाधिक है।

क्या कहते हैं आंकड़े

यह बदलाव बताता है कि जिले की महिलाएं अब सूचना, शिक्षा, बैंकिंग और मनोरंजन के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं हैं। डिजिटल क्रांति की यह बयार न सिर्फ उन्हें दुनिया से जोड़ रही है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी नई उड़ान दे रही है। यह जिले के लिए एक बेहद सकारात्मक संकेत है।

न्यूज विंडो

विधायक निवास पर पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने की जनसुनवाई

नरसिंहपुर। पूर्व राज्यमंत्री एवं नरसिंहपुर जिले के पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल ने विधायक निवास नरसिंहपुर में जनसुनवाई आयोजित की। इस अवसर पर आए जन सामान्य लोगों ने अपनी समस्याओं को आवेदन के माध्यम से बताया जिसपर तत्काल संज्ञान लेते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने संबंधित विभाग को अवगत कराते हुए जानकारी लेकर समस्याओं का निदान कराया। जनसुनवाई में लगभग 214 आवेदनों की प्राप्ति हुई जिनपर संज्ञान लेते हुए उन्हें कार्यवाही हेतु आगे प्रेषित किया गया। आमजनों के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहने वाले जनप्रिय समाजसेवी जालम सिंह पटेल द्वारा स्थानीय जनों की जनसमस्या हेतु जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है, जिसमें जिले भर से आए लोगों की बात सुनकर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाता है। जनसुनवाई पर पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने बताया कि समाज सेवा के क्षेत्र में आने के बाद उन्होंने यह प्रयास किया कि आम जनों के बीच ज्यादा से ज्यादा समय उपलब्ध रह सकूं। आमजनों के कई ऐसी समस्याएं होती हैं जिनके लिए वह परेशान होते हैं। बहुत लोग ऐसे होते हैं जो संपर्क नहीं कर पाते उनके लिए इस जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है। जिससे उनकी समस्याओं का निराकरण हो सके। उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया उक्त जनसुनवाई के अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारीयो के साथ जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक सहित सहित अनेक समाजसेवी जनप्रतिनिधि जनो की मौजूदगी रही।

कार को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित 108 एंबुलेंस पलटी

तेंदूखेड़ा /तेजगढ़। तेजगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत तेंदूखेड़ा दमोह मार्ग पर स्थित करौंदी पड़रिया गांव के पास गुरुवार की सुबह 5 बजे एक 108 एंबुलेंस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरकर खेत में पलट गई। यह एंबुलेंस मरीज को लेने जा रही थी लेकिन उस समय वाहन खाली था। एंबुलेंस में केवल पायलट मौजूद था, जिसे मामूली चोटें आई है 108 एंबुलेंस के पायलट रोहित यादव ने बताया कि उन्हें तेंदूखेड़ा से एक मरीज को दमोह लाने का इवेंट मिला था। वह दमोह से एंबुलेंस लेकर तेंदूखेड़ा जा रहे थे लेकिन करौंदी पड़रिया गांव के समीप एक बोलेरो चालक गलत साइड से आ रहा था बोलेरो को बचाने के प्रयास में पायलट ने एंबुलेंस का स्टीयरिंग मोड़ा, जिससे वाहन सड़क से नीचे उतर गया और अनियंत्रित होकर खेत में पलट गया। घटना में पायलट को मामूली चोटें आईं। एंबुलेंस में कोई मरीज न होने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया एंबुलेंस पलटने के बाद स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और उन्होंने चालक को वाहन से बाहर निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने दूसरे वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह भाग गया। इस हादसे में एंबुलेंस क्षतिग्रस्त हो गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अरुष एकेडमी में बच्चों ने एक-दूसरे को बांधी राखी, दी शुभकामनाएं

तेंदूखेड़ा। नगर के वार्ड क्रमांक 11 में संचालित अरुष एकेडमी स्कूल में रक्षाबंधन पर्व विद्यालय के बच्चों ने एक-दूसरे बच्चों को राखी बांधी और शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में भाई-बहन के प्रेम स्नेह और आपसी सौहार्द की भावना स्पष्ट से देखी गई है। अरुष एकेडमी स्कूल में पर्व को लेकर बच्चों में उत्साह का माहौल बना रहा स्कूल डायरेक्टर राकेश साहू ने कहा कि पर्व और त्योहार हमारी संस्कृति की पहचान हैं वह हमें न केवल संस्कृति से जोड़ते हैं बल्कि से सामाजिक चेतना का संचार भी करते हैं! रक्षाबंधन का पर्व भाई द्वारा बहन की रक्षा के संकल्प का भी पर्व है। इस अवसर पर नर्सरी से 11वीं तक की छात्राओं ने अपने छात्र भाइयों को राखी बांधकर अपनी रक्षा का वचन लिया स्कूल के प्राचार्य राघवेंद्र शुक्ला ने सभी छात्र छात्राओं शिक्षकों एवं अभिभावकों को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दी उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम विश्वास और स्नेह का प्रतीक अंत में सभी ने मिलकर रक्षाबंधन पर्व की खुशियां झासा की।

'ऑपरेशन मनी ट्रैप' के तहत पुलिस ने किया ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

दो करोड़ रुपये की ठगी का पर्दाफाश, तीन हजार से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालकर 14 गिरफ्तार

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

पुलिस ने ऑपरेशन मनी ट्रैप के तहत 10 राज्यों में करीब 30 हजार किलोमीटर तक पीछा कर दो करोड़ रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 1.73 करोड़ रुपये नकद, चार लग्जरी वाहन और 19 एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी ने बताया कि गिरोह ने ब्यावरा निवासी एक व्यक्ति से रकम दोगुनी करने का लालच देकर भोपाल में 2 करोड़ रुपये नकद ठग लिए थे। पुलिस टीमों ने लगभग 35 दिनों तक चले अभियान में 3,000 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपितों को पकड़ा। जांच के मुताबिक गिरोह के बदमाशों ने खुद को बड़ी कंपनियों से जुड़ा बताकर फरियादी का भरोसा जीता। आरोपियों ने फर्जी ई-मेल, स्वीकृति-पत्र और 4 करोड़ रुपये के आरटीजीएस का जाली स्क्रीनशॉट दिखाकर बड़ी रकम हड़प ली। भोपाल के जहांगीराबाद स्थित एक कूरियर दफ्तर में 22 जुलाई को 2 करोड़ रुपये नकद लेने के बाद आरोपी फरार हो गए। ठगी की शिकायत मिलने पर गठित 10 विशेष टीमों के 50 पुलिसकर्मियों ने महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा सहित 10 राज्यों में लगातार छापे मारे।

छह स्तरों में संगठित ठांचा

पुलिस की पड़ताल से स्पष्ट हुआ कि यह अंतरराज्यीय गिरोह छह अलग-अलग स्तरों पर योजनाबद्ध तरीके से काम करता था। पहला स्तर धनी निवेशकों की पहचान करता था, जबकि दूसरा और तीसरा स्तर महंगी गाड़ियों, बड़े होटलों में बैठकों और फर्जी कागजातों से उनका विश्वास हासिल करता था। चौथा तथा पांचवां स्तर प्रत्यक्ष बैंकिंग रिकॉर्ड से बचने के लिए केवल नकद राशि लेता था और उसे हवाला व आंगड़िया नेटवर्क के जरिये विभिन्न शहरों में स्थानांतरित करता था। इसके बाद छठा स्तर रकम का बंटवारा करके अपने ठिकाने तथा मोबाइल नंबर बदल देता था। पहचान छिपाने के लिए गिरोह के सभी सदस्य फर्जी व्यावसायिक नामों का इस्तेमाल करते थे।

अन्य राज्यों तक फैला नेटवर्क

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 2,92,91,000 रुपये की कुल संपत्ति जब्त की है। इसमें मुख्य आरोपित आरिफ हुसैन से 46 लाख रुपये नकद, अशोक चौधरी से 42 लाख रुपये, नवीन जैन से 30 लाख रुपये और सन्नी उर्फ शमीम मंडल से 25 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह इंदौर में भी ठगी की नई वारदात को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था। इससे पूर्व यह गिरोह पश्चिम बंगाल में 50 लाख रुपये और दिल्ली में एक पुलिस अधिकारी से 50 लाख रुपये ठग चुका है। गिरोह ने उदयपुर, इंदौर, भोपाल, दिल्ली, मुंबई और पश्चिम बंगाल में अपने कार्यालय बना रखे थे।

सट्टा लिखते आरोपी को पकड़ा, नगदी व पर्ची जब्त

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कुक्षी पुलिस और निसरपुर चौकी की टीम ने सट्टे के कारोबार पर कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को सट्टा लिखते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सट्टा अंक लिखी सात कार्बन पर्चियां, कार्बन का टुकड़ा, पेन और 1100 रुपये नकद जब्त किए हैं।

पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देश एवं एसडीओपी सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कुक्षी निरीक्षक दीपकसिंह चौहान के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। 27 अगस्त को निसरपुर चौकी प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक भुवान चौहान को मुखबिर से

सूचना मिली थी कि प्रजापत धर्मशाला के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से सट्टा लिख रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी की और ग्राम भंवरिया निवासी शिवराम पिता मगन कलमिया (को सट्टा लिखते हुए पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से सात सट्टा अंक लिखी कार्बन पर्चियां, एक कार्बन का टुकड़ा, पेन तथा 1100 रुपये नकद बरामद हुए।

पूछताछ में सट्टा संचालक का नाम सामने आया

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी शिवराम ने बताया कि वह दिनेश पिता रमेश सिसोदिया निवासी कड़माल रोड निसरपुर के कहने पर सट्टा पर्चियां लिखने का काम करता था। आरोपी के बयान के आधार पर पुलिस ने दिनेश सिसोदिया को भी प्रकरण में सह-आरोपी बनाया है। मामले में थाना कुक्षी में दोनों आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस सट्टे के नेटवर्क से जुड़े लोगों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

कार्रवाई में थाना प्रभारी कुक्षी दीपकसिंह चौहान, निसरपुर चौकी प्रभारी सउनि भुवान चौहान, आरक्षक रविन्द्र अलावे, गौरव, सुभाष चौहान, किशन मण्डलोई, थानसिंह और अर्जुन की विशेष भूमिका रही।

माधुरी शर्मा के निधन से पुरानी बस्ती में शोक की लहर

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिला मुख्यालय के नगर पालिका परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14 पुरानी बस्ती निवासी श्रीमती माधुरी शर्मा, 75 वर्ष का निधन हो गया। वे लोक निर्माण विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी विमलेंद्र शर्मा की पत्नी एवं जितेंद्र तिवारी की माताश्री थीं।

श्रीमती माधुरी शर्मा अपने पीछे पुत्र, पुत्रवधू एवं दो नाती सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन से परिजनों, रिश्तेदारों, इष्ट-मित्रों एवं शुभचिंतकों में शोक की लहर व्याप्त है। उनका अंतिम संस्कार चंदास नदी के तट पर परिजनों, रिश्तेदारों, इष्ट-मित्रों एवं शुभचिंतकों की उपस्थिति में गमगीन वातावरण में किया गया। इस दौरान उपस्थितजनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में गुरुवार को बढ़ती महंगाई, शक्कर, प्याज, पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दाम, बस किराए में हुई वृद्धि तथा किसानों के सामने उत्पन्न खाद-बीज की समस्या को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तारादेही तिराहे पर प्रदर्शन किया। रिमझिम बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में कांग्रेसजन प्रदर्शन में शामिल हुए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए आमजन एवं किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनोखे तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया। कई कार्यकर्ता गले में प्याज और शक्कर की मालाएं पहनकर तथा पेट्रोल की बोतलें लेकर प्रदर्शन करते नजर आए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। रसोई में उपयोग होने वाली आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से जहां घरेलू बजट प्रभावित हो रहा है, वहीं पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का असर परिवहन और बस किराए पर

भी पड़ रहा है। कांग्रेसियों ने किसानों की समस्याओं को भी प्रदर्शन के दौरान प्रमुखता से उठाया। उनका कहना था कि खेती के महत्वपूर्ण समय में किसानों को खाद और बीज के लिए परेशान होना पड़ रहा है। समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ रही है। कांग्रेस नेताओं ने सरकार से किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की।

जनपद अध्यक्ष तुलाराम यादव एवं कृष्ण यादव ने कहा कि आज देश में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच गई है। रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण त्योहार के दौरान भी बहनों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पेट्रोल-डीजल और बस किराए में वृद्धि के कारण यात्रा महंगी हो गई है, जिसका सीधा असर आम परिवारों की जेब पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनता को वर्तमान परिस्थितियों पर विचार करना चाहिए और सरकार की नीतियों का आकलन करना चाहिए। प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नीलेश यादव पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि ऋषभ जैन, कृष्ण यादव, गौरव दुबे, दिलीप खटीक, पितांबर साहू, प्रमोद बेन रामकृष्ण मालवीय, रईस बाबा व कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में कांग्रेसजनों ने सरकार से महंगाई पर नियंत्रण करने, पेट्रोल-डीजल एवं बस किराए में राहत देने तथा किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज उपलब्ध कराने की मांग की।

कंचनपुरी के पास बस-कार की टक्कर में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त

तेंदूखेड़ा/तेजगढ़। दोपहर मेट्रो

बीते दिन सुबह नोहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत तेंदूखेड़ा तेजगढ़ मार्ग पर बस और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई हादसा अभाना-तेंदूखेड़ा तेजगढ़ मार्ग पर कंचनपुरी के पास हुआ। टक्कर में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। कार में सवार चालक और महिला यात्री सुरक्षित हैं साथ ही बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं किसी को भी कोघ चोट नहीं आई है। जानकारी के मुताबिक, बस (एमपी 13 पी 5418) इंदौर से सागर तेंदूखेड़ा मार्ग से होते हुए जबलपुर जा रही थी। वहीं, बलेनो कार (एमपी 04 ईसी 8971) जबलपुर से तेंदूखेड़ा होते हुए दमोह की ओर जा रही थी लेकिन सुबह करीब 6 बजे कंचनपुरी के पास दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर के बाद कार के सामने के दोनों एयरबैग खुल गए, जिससे कार चालक और उसके साथ बैठी महिला सुरक्षित रही जिस समय यह हादसा हुआ तब बारिश हो रही थी। टक्कर के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। बस में सवार करीब 40 यात्री भी सुरक्षित बताए गए हैं। हादसे में किसी के घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई है। घटना की सूचना मिलने पर नोहटा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने वाहन चालकों और प्रत्यक्षदर्शियों से जानकारी ली। हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। शुरुआती तौर पर बारिश के कारण वाहन के अनियंत्रित होने की आशंका बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्यालय सेनानी, 25वीं वाहिनी विसबल, भोपाल
दूरभाष/फैक्स नं0-0755-2443748
Email: - co25bn_saf@mppolice.gov.in

क्र0-25वीं वाहिनी/विसबल/सा0अ0/ 3310 /2026, दिनाँक 24/08/2026

//खुली निविदा विज्ञप्ति//

वित्तीय वर्ष 2026-27 में पुलिस मुख्यालय म.प्र., भोपाल द्वारा इकाई को लेखाशीर्ष मांगसंख्या '4492-32-000 लघु निर्माण मद' आवंटित बजट राशि के अंतर्गत इकाई परेड ग्राउण्ड में नवीन शेड का निर्माण का कार्य को खुली निविदा हेतु म.प्र. ऑनलाईन ई-टेंडर पोर्टल https://mptenders.gov.in/en पर खुली निविदा आमंत्रित की जाती हैं। खुली निविदा विज्ञप्ति का ऑनलाईन प्रकाशन कार्यालय द्वारा जारी दिनांक से दिनांक तक मान्य होगी, खुली निविदा विज्ञप्ति का प्रारूप निम्नानुसार हैं।

स.क्र.	कार्य का विवरण	धरोहर राशि	निविदा दर	प्राक्कलन ऐजेन्सी	प्रदाय कार्यालय (एफ.ओ.आर.)
01	इकाई परेड ग्राउण्ड में नवीन शेड का निर्माण का कार्य	11000.00	1000.00	म.प्र. पु.आ. एवं अघो. विकास निगम भोपाल	सेनानी, 25वीं वाहिनी विसबल भोपाल

01. खुली निविदा प्रपत्र दस्तावेजों को म.प्र. टेंडर पोर्टल https://mptenders.gov.in पर अनिवार्य रूप से ऑनलाईन अपलोड करना होगा।
02. खुली निविदा म0प्र0 टेंडर पोर्टल _https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन खोली जायेगी।
03. मध्यप्रदेश पुलिस की ऑनलाईन वेबसाइट https://www.mppolice.gov.in/en/tenders पर खुली निविदा की प्रपत्र, विस्तृत जानकारी डाउनलोड हेतु उपलब्ध रहेगी।
04. **समय सारणी :-**

01 निविदा प्रकाशन दिनॉक	दिनांक 26/08/26 समय 09.00 बजे।
02 निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने का दिनॉक	दिनांक 26/08/26 समय 09.00 बजे।
03 निविदा जमा करने का प्रारंभ दिनांक	दिनांक 26/08/26 समय 09.00 बजे।
04 निविदा जमा करने का अंतिम दिनांक	दिनांक 08/09/26 समय 16:00 बजे।
05 निविदा तकनीकि बिड खोलने का दिनांक	दिनांक 09/09/26 समय 16:30 बजे।

05. निविदाकर्तागण से अनुरोध है, कि खुली निविदा से संबंधित संशोधन, शुद्धि पत्र आदि बेबसाईट पर ही अपलोड किये जायेंगे अतः वेबसाईट पर अद्यतन रहें।
06. निविदा में दर्शायें दिनांक/समय पर निविदा खोली जावेगी, निविदा खोलने के उपरान्त तकनीकी निविदा में योग्य पाए गए निविदाकर्ताओं एवं वित्तीय निविदा की जानकारी वेबसाईट के माध्यम से बाद में सूचित की जावेगी।

(नगेन्द्र सिंह)
सेनानी
25वीं वाहिनी वि.स.बल, भोपाल

जी-17810/26

मेट्रो एंकर

रधाबंधन को देखते हुए आरटीओ विभाग अलर्ट

क्षमता से अधिक सवारी एवं अधिक किराया वसूली के विरुद्ध जिले में चलाया जा रहा चैकिंग अभियान

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में यात्री बसों में क्षमता से अधिक सवारी बैठाने और यात्रियों से निर्धारित दर से अधिक किराया वसूलने की शिकायतों पर परिवहन विभाग ने कलेक्टर राजीव रंजन मीना के आदेश एवं परिवहन आयुक्त के मार्गदर्शन में जिलेभर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के तहत दत्तीगांव टोल क्षेत्र सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों पर यात्री वाहनों की सघन जांच की जा रही है। 26 अगस्त तक की गई कार्रवाई में अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन

अधिकारी हृदेश यादव, परिवहन उप निरीक्षक दिव्या पाटीदार, सहायक वर्ग-2 मधुकर सिसोदिया और उनकी टीम ने दर्जनों यात्री बसों को रोककर स्थिति का जायजा लिया। इंदौर-अहमदाबाद मार्ग पर स्थित दत्तीगांव टोल प्लाजा के पास बसों को रोककर यात्रियों से तय किराए व बस क्षमता की जानकारी ली गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों और बस ऑपरेटरों के खिलाफ मौके पर ही चालानी कार्रवाई करते हुए अब तक कुल 51 हजार 500 रुपये का शमन शुल्क वसूला गया। चेकिंग टीम ने बस चालकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यात्रियों से निर्धारित किराया ही लिया जाए और सुरक्षा मानकों का ध्यान रखते हुए निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां न बैठाएं। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। यदि कोई भी बस संचालक नियमों का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ परमिट निरस्तीकरण सहित अन्य दंडात्मक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टीम इंडिया के 12 मुकाबलों वाले दौरे का जबरदस्त क्रेज, कई मैचों के जल्द ही खचाखच भरने के आसार

भारत के मैचों के लिए न्यूजीलैंड में मची होड़, 48 घंटे में बिके 26 हजार टिकट!

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के दुनिया भर में बढ़ते दबदबे और लोकप्रियता की एक और झलक न्यूजीलैंड में देखने को मिल रही है। अक्टूबर से शुरू होने वाले भारत के न्यूजीलैंड दौरे को लेकर प्रशंसकों में ऐसा उत्साह है कि टिकटों की बिक्री ने शुरुआत में ही नया रिकॉर्ड बना दिया। न्यूजीलैंड क्रिकेट की विशेष पूर्व-बिक्री शुरू होने के महज 48 घंटे के भीतर 26 हजार टिकट बिक गए। दौरा शुरू होने में अभी करीब दो महीने का समय बाकी है, लेकिन कई मुकाबलों के लिए स्टेडियम में जगह पाना मुश्किल होता नजर आ रहा है।

भारत के इस दौरे में कुल 12 मुकाबले खेले जाएंगे। इसमें टी20, एकदिवसीय और टेस्ट मुकाबले शामिल हैं। टिकटों की पूर्व-बिक्री सोमवार को शुरू हुई और इसके साथ ही प्रशंसकों ने टिकट खरीदने के लिए तेजी दिखानी शुरू कर दी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, भारत के खिलाफ मुकाबलों को लेकर शुरुआती मांग पिछले कई दौरों की तुलना में बेहद मजबूत रही है। खास तौर पर सीमित ओवरों के मुकाबलों के लिए प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह दिखाई दे रहा है।

ईडन पार्क में सबसे ज्यादा मांग- ऑकलैंड का प्रसिद्ध ईडन पार्क भारत के मुकाबलों की टिकट बिक्री में सबसे आगे है। यहां होने वाले सफेद गेंद के मुकाबलों को लेकर प्रशंसकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। क्राइस्टचर्च और वेलिंगटन में भी टिकटों की मांग तेजी से बढ़ी है। क्राइस्टचर्च के हैगली ओवल की दर्शक क्षमता करीब 9 हजार है। यहां भारत और न्यूजीलैंड के बीच 22 और 24 अक्टूबर को शुरुआती दो टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। टिकट बिक्री की मौजूदा रफ्तार जारी रही तो ये मुकाबले जल्द ही पूरी तरह भर सकते हैं। इसी मैदान पर 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक दौरे का दूसरा और अंतिम टेस्ट मुकाबला भी खेला जाएगा।

वेलिंगटन में भी टिकटों की मारामारी

वेलिंगटन में भी भारत के मुकाबलों को लेकर प्रशंसकों का उत्साह कम नहीं है। यहां तीसरा टी20 और दूसरा एकदिवसीय मुकाबला खेला जाएगा। इसके अलावा ऐतिहासिक बेसिन रिजर्व में 19 नवंबर से दौरे का पहला टेस्ट शुरू होगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य विपणन एवं वाणिज्यिक अधिकारी ग्लेन क्रिचली ने कहा कि प्रशंसकों ने टिकट जल्दी खरीदने की अपील को गंभीरता से लिया है। उनके मुताबिक, शुरुआती दो दिनों में हुई रिकॉर्ड बिक्री से साफ है कि प्रशंसकों ने पहले से तैयारी कर ली थी।

टिकट की कीमत भी प्रशंसकों के लिए राहत

भारत के इस दौरे को लेकर उत्साह बढ़ाने में टिकट की कीमतों ने भी अहम भूमिका निभाई है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने टिकटों की कीमत पिछले सत्र के बराबर रखी है। विशेष पहुंच कोड के माध्यम से टिकट 30 न्यूजीलैंड डॉलर से कम कीमत में उपलब्ध हैं। पूर्व-बिक्री में शामिल प्रशंसकों को 15 प्रतिशत तक की छूट भी दी जा रही है। हालांकि आम दर्शकों के लिए टिकट बिक्री अभी शुरू नहीं हुई है। सामान्य बिक्री 7 सितंबर से शुरू होगी। ऐसे में उससे पहले ही 26 हजार टिकटों का बिक जाना भारत की लोकप्रियता का बड़ा संकेत माना जा रहा है।

मैदान पर मुकाबले से पहले ही शुरू हुआ रोमांच

भारत का न्यूजीलैंड दौरा अभी शुरू भी नहीं हुआ है, लेकिन स्टेडियम के बाहर मुकाबला शुरू हो चुका है। टिकटों की शुरुआती बिक्री ने बता दिया है कि भारतीय टीम जहां भी जाती है, वहां उसके मुकाबले देखने के लिए प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह रहता है। यदि टिकट बिक्री की यही रफ्तार बनी रही तो आने वाले दिनों में कई मुकाबलों के टिकट पूरी तरह बिक सकते हैं। ऐसे में भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली इस बहुप्रतीक्षित श्रृंखला में मैदान के अंदर का माहौल भी बेहद खास रहने की उम्मीद है।

ट्रोलर्स को श्रेयंका का करारा जवाब

आलोचना करो या तारीफ चर्चा तो मेरी ही हो रही है

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेटर श्रेयंका पाटिल मैदान पर अपने खेल और मैदान के बाहर अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर उनके नृत्य वीडियो और तस्वीरें अक्सर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में फिल्म के एक गाने पर उनका नृत्य वीडियो सामने आया तो उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। लेकिन श्रेयंका ने आलोचना को लेकर साफ कर दिया कि वह इससे डरने या अपना अंदाज बदलने वाली नहीं हैं।

कर्नाटक राउंडटेबल में श्रेयंका ने कहा कि उन्हें सोशल मीडिया पर होने वाली आलोचना से कोई परेशानी नहीं है। उनके मुताबिक, आलोचना और तारीफ दोनों ही उन्हें चर्चा में बनाए रखते हैं। 24 वर्षीय श्रेयंका ने कहा कि उन्हें इंस्टाग्राम पर सक्रिय रहना, नृत्य करना और अपनी पसंद के कपड़े पहनना पसंद है। वह अपनी जिंदगी और पसंद को लेकर सहज हैं और किसी की टिप्पणी उनके फैसले नहीं बदल सकती। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में बोलने में कोई झिझक नहीं है कि वह जैसी हैं, उसके साथ सहज हैं। वह अपनी पसंद के गानों पर नृत्य करेंगी और वही करेंगी जिससे उन्हें खुशी मिलती है। श्रेयंका ने ट्रोल करने वालों को लेकर कहा कि वे अपनी जगह हैं, लेकिन वह अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीना जारी रखेंगी।

ड्ब्ल्यूअष्ट फाइनल न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका मजबूत दावेदार

रेस में भारत के सामने जीत की चुनौती, ऑस्ट्रेलिया सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का रोमांच अब उस दौर में पहुंच गया है, जहां हर मुकाबले का नतीजा फाइनल की तस्वीर बदल सकता है। मौजूदा अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया 10 टेस्ट में आठ जीत के साथ 80 प्रतिशत अंक लेकर सबसे मजबूत स्थिति में है। दक्षिण अफ्रीका 75 प्रतिशत और न्यूजीलैंड 72.22 प्रतिशत के साथ उसके पीछे हैं। भारत 11 टेस्ट में पांच जीत और 51.52 प्रतिशत अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। ऐसे में टीम इंडिया के लिए अब हर टेस्ट बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

2023 की विश्व टेस्ट चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने मौजूदा चक्र में शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने 10 में से आठ टेस्ट जीते हैं और केवल दो मुकाबलों में उसे हार मिली है। ट्रेविस हेड 914 रन के साथ टीम के सबसे सफल बल्लेबाज हैं, जबकि मिचेल स्टार्क 58 विकेट लेकर गेंदबाजी में सबसे आगे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ हार ने उसकी बढ़त जरूर घटाई, लेकिन मैके में जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने फिर स्थिति मजबूत कर ली। दक्षिण अफ्रीका और भारत के दौरे उसके लिए बड़ी परीक्षा होंगे।

मौजूदा चैंपियन दक्षिण अफ्रीका ने सिर्फ चार टेस्ट में तीन जीत हासिल कर 75 प्रतिशत अंक जुटाए हैं। भारत को उसकी जमीन पर 2-0 से हराना उसके अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल है। टोनी डी जॉर्जी ने 278 रन बनाए हैं, जबकि साइमन हार्मर 30 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज हैं। पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज ड्रॉ होने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी है। आगे ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमें उसके सामने चुनौती पेश करेंगी।

न्यूजीलैंड की रफ्तार ने बढ़ाई उम्मीद

पहली विश्व टेस्ट चैंपियन न्यूजीलैंड ने छह टेस्ट में चार जीत दर्ज की हैं और उसका अंक प्रतिशत 72.22 है। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद उसने इंग्लैंड को उसके घर में 2-1 से हराया। डेवोन कॉनवे 676 रन के साथ टीम के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। न्यूजीलैंड को आगे भारत और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू मुकाबलों के साथ ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के कठिन दौरों से भी गुजरना होगा।

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर चौंकाया| बांग्लादेश 55.56 प्रतिशत अंक के साथ चौथे स्थान पर है। छह टेस्ट में तीन जीत उसके अभियान को मजबूत बनाती हैं। ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराना टीम की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। नजमुल हुसैन शांतो ने 647 रन बनाए हैं, जबकि तैजुल इस्लाम 24 विकेट लेकर गेंदबाजी में आगे हैं। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मुकाबले तथा दक्षिण अफ्रीका का दौरा बांग्लादेश की असली परीक्षा होंगे।

भारत के लिए हर टेस्ट अहम

भारत 51.52 प्रतिशत अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। शुभमन गिल 1024 रन के साथ टीम के सबसे सफल बल्लेबाज हैं, जबकि मोहम्मद सिराज ने 43 विकेट लिए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में 0-2 की हार और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज ड्रॉ रहने से भारत की स्थिति कमजोर हुई। श्रीलंका दौरे पर भारत ने गाले टेस्ट में 165 रन की शानदार जीत दर्ज की। इसके बाद कोलंबो टेस्ट ड्रॉ रहा और दो मैचों की सीरीज भारत ने 1-0 से अपने नाम की। हालांकि, दूसरा टेस्ट जीतकर पूरे अंक हासिल करने का मौका टीम से निकल गया। अब भारत के सामने न्यूजीलैंड में दो टेस्ट और उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू सीरीज होगी।

सहवाग -द्रविड़ के बेटों की भारतीय टीम में दस्तक

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ राजकोट में दिखेगा अगली पीढ़ी का दम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के दो महान बल्लेबाजों की विरासत अब अगली पीढ़ी तक पहुंचती नजर आ रही है। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम के भारत दौरे से पहले भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने भारत की अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी है। तीन एकदिवसीय और दो बहुदिवसीय मुकाबलों के लिए अलग-अलग टीम चुनी गई है। सबसे खास बात यह है कि वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को एकदिवसीय टीम में जगह मिली है।

आर्यवीर सहवाग के लिए यह चयन बेहद खास है। उन्हें पहली बार भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। दाएं हाथ के बल्लेबाज आर्यवीर ने घरेलू क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से लगातार पहचान बनाई है। उनके खेल में बड़े शॉट लगाने की क्षमता दिखाई देती है, जिसकी तुलना अक्सर उनके पिता वीरेंद्र सहवाग के अंदाज से की जाती है। आर्यवीर ने 2024 की कूच बिहार ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ 297 रनों की शानदार पारी खेलकर सभी का ध्यान खींचा था। इसके बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपने प्रदर्शन को लगातार बेहतर किया। हाल ही में दिल्ली प्रीमियर लीग में भी वह वेस्ट दिल्ली लॉयन्स की ओर से खेलते नजर आए। अब घरेलू क्रिकेट में किए गए प्रदर्शन का इनाम उन्हें भारतीय अंडर-19 टीम में चयन के रूप में मिला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला उनके लिए खुद को साबित करने का बड़ा अवसर होगी।

अन्वय द्रविड़ पर भी रहेंगी निगाहें

राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को भी भारतीय अंडर-19 एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय ने जुलाई में भारत की अंडर-19 टीम के श्रीलंका दौरे के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने वहां 87 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली थी। उनके इस प्रदर्शन के बाद चयनकर्ताओं ने उन पर भरोसा कायम रखा है। अब ऑस्ट्रेलिया की मजबूत युवा टीम के खिलाफ अन्वय के प्रदर्शन पर भी क्रिकेट प्रेमियों की नजर रहेगी। हालांकि आर्यवीर और अन्वय दोनों को बहुदिवसीय टीम में जगह नहीं मिली है। यानी दोनों युवा खिलाड़ी इस दौरे पर केवल एकदिवसीय मुकाबलों में ही नजर आएंगे।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

मल्लिका की चमक के पीछे छिपी कहानी, 21 की उम्र में हुई शादी, पैसों के लिए टूटा रिश्ता

बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री मल्लिका शेरावत इन दिनों 'द ट्रेटर्स 2' में नजर आ रही हैं और एक बार फिर सुर्खियों में हैं। फिल्मों में अपने बोल्ड अंदाज से पहचान बनाने वाली मल्लिका की जिंदगी का एक ऐसा अध्याय भी है, जिसके बारे में बहुत कम चर्चा होती है। बॉलीवुड में कदम रखने से पहले वह हरियाणा के हिसार जिले के मोथ गांव की रीमा लांबा थीं। महज 21 वर्ष की उम्र में उनकी शादी जेट एयरवेज के पायलट करण सिंह गिल से हुई थी।

मल्लिका और करण की शादी प्रेम विवाह बताई जाती है। हालांकि, यह रिश्ता लंबे समय तक नहीं चल सका। मल्लिका ने ग्लैमर की दुनिया में करियर बनाने का फैसला किया और इसके बाद दोनों के रास्ते अलग होते चले गए। 2009 में प्रकाशित एक रिपोर्ट में मल्लिका के चाचा सुशील लांबा ने उनके शुरुआती जीवन और शादी से जुड़ी बातें साझा की थीं। उनके मुताबिक, रीमा और करण की दोस्ती धीरे-धीरे गहरी हुई और दोनों ने शादी करने का फैसला किया। दोनों परिवारों की मौजूदगी में शादी हुई और दिल्ली में भव्य स्वागत समारोह भी आयोजित किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, मल्लिका हमेशा से अपनी जिंदगी में कुछ बड़ा हासिल करना चाहती थीं। शादी के बाद जब उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखने का फैसला किया तो परिवार और ससुराल पक्ष इससे सहज नहीं था। बताया गया कि उनके ससुराल वाले उनके फिल्मों में जाने और देर रात तक होने वाली पार्टियों को लेकर आपत्ति जताते थे। इसी वजह से वैवाहिक जीवन में तनाव बढ़ता गया। आखिरकार मल्लिका ने शादी से अलग होकर अपने करियर और स्वतंत्र जिंदगी को प्राथमिकता दी।

तलाक के बाद करण ने की दूसरी शादी

मल्लिका और करण के तलाक के बाद करण सिंह गिल ने दोबारा शादी कर ली। वहीं मल्लिका ने फिर विवाह नहीं किया। हालांकि, उनकी जिंदगी में रिश्ते जरूर रहे। वह लंबे समय तक फ्रांस के कारोबारी सिरिल ऑक्सेनफेंस के साथ रिश्ते में रहीं। करीब आठ साल साथ रहने के बाद दोनों अलग हो गए। नवंबर 2024 में एक साक्षात्कार के दौरान मल्लिका ने इस रिश्ते के खत्म होने की पुष्टि की थी। मल्लिका शेरावत ने अपने करियर में कई फिल्मों के जरिए अलग पहचान बनाई। उनकी निजी जिंदगी हमेशा चर्चा का विषय रही, लेकिन शादी और तलाक को लेकर उन्होंने लंबे समय तक सार्वजनिक रूप से ज्यादा बात नहीं की। एक छोटे से गांव की रीमा लांबा से बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री बनने तक का उनका सफर कई उतार-चढ़ाव से भरा रहा।

बिग बी ने शादीशुदा पुरुषों को दी मजेदार सलाह, बोले

विवाह की तिथि कभी मत भूलिएगा

मुंबई। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन अपनी शानदार अदाकारी के साथ-साथ अपनी हाजिरजवाबी के लिए भी खास पहचान रखते हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति 18' में उनका यही अंदाज एक बार फिर देखने को मिला। प्रतिभागियों से बातचीत के दौरान अमिताभ बच्चन ने शादीशुदा पुरुषों को ऐसी मजेदार सलाह दे डाली कि पूरा माहौल ठहाकों से गूंज उठा।

कार्यक्रम में अमिताभ एक प्रतिभागी से बातचीत कर रहे थे। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि प्रतिभागी को अपनी पत्नी से पहली मुलाकात और शादी की सालगिरह की तारीख अच्छी तरह याद थी। इस पर अमिताभ ने वहां मौजूद पतियों के साथ-साथ घर पर कार्यक्रम देख रहे शादीशुदा पुरुषों को भी खास सलाह दे दी।

अमिताभ ने कहा कि जिस दिन पत्नी के साथ शादी हुई, उस तारीख को कभी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि इस तारीख को याद रखना बेहद जरूरी है, क्योंकि पत्नी कभी भी पूछ सकती है कि शादी की तारीख याद है या नहीं। इसके बाद अमिताभ ने माहौल को और मजेदार बनाते हुए कहा कि अगर किसी पति से यह तारीख भूलने की गलती हो

गई तो ÷जूता, चप्पल और बेलन सब चल पड़ेंगे।÷ उनकी यह बात सुनते ही कार्यक्रम में मौजूद दर्शक जोर-जोर से हंसने लगे। अमिताभ बच्चन अक्सर कार्यक्रम में अपनी निजी जिंदगी से जुड़े हल्के-फुल्के किस्से भी साझा करते हैं। वह अपनी पत्नी जया बच्चन और परिवार से जुड़े अनुभवों को मजाकिया अंदाज में बताते नजर आते हैं। हाल ही में उन्होंने बताया था कि शूटिंग के कारण जब उन्हें घर पहुंचने में देर होने वाली होती है तो वह पहले ही परिवार को इसकी जानकारी दे देते हैं। उनका मानना है कि पहले से बता देने पर घर पहुंचने के बाद ज्यादा सवाल-जवाब नहीं होते।

मेट्रो बाजार

भर्ती प्रक्रिया में एआई का तेजी से बढ़ रहा प्रभाव: रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। भारत में भर्ती प्रक्रियाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एजेंटिक एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 86 प्रतिशत भारतीय संगठनों का मानना है कि एआई उनकी भर्ती प्रक्रिया को बदल रही है। रिज्यूमे की जांच, उम्मीदवारों का मूल्यांकन और भर्ती प्रक्रिया के दौरान उम्मीदवारों के साथ संवाद जैसे क्षेत्र एआई के प्रमुख उपयोग के रूप में उभरकर सामने आए हैं।

डेलॉइट इंडिया की कैंपस वर्कफोर्स ट्रेंड्स 2026% रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में कैंपस भर्ती अब पहले की तुलना में अधिक रणनीतिक, कौशल-आधारित और प्रौद्योगिकी संचालित हो गई है। कंपनियां शुरुआती करियर वाले प्रतिभाशाली युवाओं को आकर्षित करने के लिए अधिक निवेश कर रही हैं और इंटर्नशिप से स्थायी नौकरी तक पहुंचाने वाले कार्यक्रमों को मजबूत बना रही हैं। अध्ययन में पाया गया कि भर्ती बजट में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि 80 प्रतिशत संगठनों के पास अब कैंपस भर्ती के लिए समर्पित टीमें हैं। इससे स्पष्ट है कि कंपनियां भविष्य की कार्यबल तैयार करने के लिए संस्थागत स्तर पर निवेश बढ़ा रही हैं। एआई के उपयोग में रिज्यूमे स्क्रीनिंग सबसे प्रमुख क्षेत्र बना हुआ है, जहां 72 प्रतिशत कंपनियां इस तकनीक का इस्तेमाल कर रही हैं। इसके अलावा, 35 प्रतिशत संगठनों का कहना है कि एआई के बढ़ते उपयोग के चलते नई शुरुआती स्तर की नौकरियां (एंट्री-लेवल पद) और नए कौशलों की मांग पैदा हो रही है, जो पिछले वित्त वर्ष 2025 में 21 प्रतिशत थी।

ईरान पर अमेरिकी शिकंजे से भारत की बढ़ेगी मुश्किल, 100 डॉलर तक पहुंच सकता है कच्चा तेल

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ छेड़े गए ताजा आर्थिक युद्ध और कड़े प्रतिबंधों की घोषणा ने भारत सहित दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में भारत का ईरान के साथ सीधा व्यापार घटकर बेहद सीमित रह गया है, लेकिन इस भू-राजनीतिक तनाव का सबसे बड़ा झटका अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में आपूर्ति संकट और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के रूप में लगेगा। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने अपनी ताजा रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि वैश्विक तेल बाजार में कच्चे तेल का स्टॉक तेजी से घट रहा है और मध्य पूर्व से सामान्य सप्लाई बहाल होने में 2027 तक का समय लग सकता है। इसके चलते ब्रोकरेज ने साल 2026 की चौथी तिमाही के लिए ब्रेंट क्रूड के अपने पूर्वानुमान को 75 डॉलर से बढ़ाकर सीधे 100 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है।

मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, वैश्विक ऊर्जा बाजार उम्मीद से कहीं अधिक तेजी से सख्त हो रहा है। 13 जुलाई के बाद से समुद्र में जहाजों पर मौजूद तेल करीब 17 करोड़ बैरल घट चुका है, जो लगभग 47 लाख बैरल प्रतिदिन की गिरावट दर्शाता है। इसके अलावा चीन सहित कई देशों में तटवर्ती डिपो का स्टॉक भी तेजी से घटा है। उधर, अमेरिकी स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व से अतिरिक्त तेल जारी करने की समयसीमा सितंबर के बाद खत्म हो रही है। रिफाइनिंग क्षमता की सीमाओं के चलते गैसोइल और ब्रेंट के बीच का क्रैक स्प्रेड रिकॉर्ड 75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच चुका है (गैसोइल 175 डॉलर और ब्रेंट 92 डॉलर), जो भौतिक बाजार में कच्चे माल की भारी किल्लत की पुष्टि करता है। मॉर्गन स्टेनली के मुख्य अमेरिकी इक्विटी रणनीतिकार माइकल विल्सन ने आगाह किया है कि कच्चे तेल की कीमतों में नया उछाल वैश्विक इक्विटी बाजारों के लिए सबसे बड़ा जोखिम साबित हो सकता है।

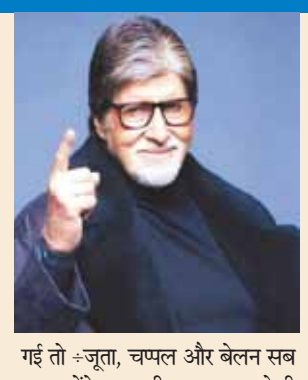

केरलम में भूस्खलन से क्षतिग्रस्त नेशनल हाईवे

कन्नूर। इलायावूर में नेशनल हाईवे के निर्माण के तहत बनाई जा रही सड़क का एक हिस्सा भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हो गया। इससे निर्माण स्थल पर मलबा जमा हो गया और सड़क का एक हिस्सा प्रभावित हुआ।

नेपाल में शवों का बढ़ा संकट

बाढ़ से तबाही: सैकड़ों शव मिलने से बढ़ी मुश्किल, शवगृह हुए फुल

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में भयंकर बाढ़ के बाद शवों का प्रबंधन प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। यहां शव मिलने का सिलसिला जारी है। अब तक लगभग 400 लोगों के शव मिल चुके हैं। सैकड़ों शवों के प्रबंधन में चुनौती बढ़ गई है। शव मिलने का क्रम लगातार जारी है। शव दूर-दूर तक बह जाने के कारण एक ओर जहां खोज एवं बचाव अभियान जटिल बन गया है, वहीं दूसरी ओर पर्याप्त कोल्ड स्टोरेज (शवगृह) की कमी के कारण शवों के प्रबंधन में भी चुनौती बढ़ गई है।

चितवन में मौजूद स्वास्थ्य संस्थानों में अधिकतम 50 शव रखने की क्षमता है। लेकिन बरामद शवों की संख्या 130 को पार कर चुकी है। नियमों के अनुसार शव का विस्तृत विवरण जुटाने, तस्वीरें लेने और पहचान से जुड़े अन्य साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के बाद ही शव का प्रबंधन किया जाना चाहिए। इसी वजह से प्रशासन के सामने चुनौती और बढ़ गई है।

जल्दी नहीं कर सकते अंतिम संस्कार

त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल के वरिष्ठ फोरेंसिक विशेषज्ञ डॉ. गोपाल चौधरी के अनुसार, ऐसी बड़ी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान शव मिलते ही जल्दबाजी में अंतिम संस्कार नहीं किया जाना चाहिए। आपदा के समय शवों के प्रबंधन के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक और दिशा-निर्देश मौजूद हैं। डॉ. चौधरी कहते हैं, 'सबसे पहले यह महत्वपूर्ण है कि शव को सुरक्षित कैसे रखा जाए। शव कहां मिला? किस स्थिति में मिला? शरीर पर किस तरह के पहचान चिह्न हैं? इन सभी विवरणों को व्यवस्थित रूप से रिकॉर्ड किया जाना चाहिए।'

नेपाल में बाढ़ के बाद यूपी में अलर्ट

नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद यूपी के महाराजगंज और कुशीनगर जिलों में प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी किया है और गंडक नदी पर निगरानी बढ़ा दी है। वाल्मीकि गंडक बैराज से लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने से कुशीनगर में नारायणी नदी का जलस्तर बढ़ रहा है और जिला प्रशासन बाढ़ की आशंका को देखते हुए तैयारियों में जुट गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद प्रदेश सरकार ने बचाव एवं राहत अभियान के लिए 32 सदस्यीय एसडीआरएफ पलटन और 22 पीएसी कर्मियों को नेपाल में तैनात किया है। एक अतिरिक्त एसडीआरएफ पलटन के साथ रबड़ की चार नावें और एल्युमीनियम की एक नाव भी भेजी जा रही है। राहत आयुक्त का नियंत्रण कक्ष सीमावर्ती जिलों की निगरानी कर रहा है, जबकि वहां फंसे प्रदेशवासियों के परिजन 1070 हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकते हैं।

अस्पतालों में कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था नहीं

डॉ. चौधरी के अनुसार, नेपाल के अधिकांश अस्पतालों में एक साथ सैकड़ों शवों को रखने की क्षमता वाले पर्याप्त शवगृह (कोल्ड स्टोरेज) उपलब्ध नहीं हैं। इसी वजह से शवों को सुरक्षित रखने में परेशानी आ रही है। कई लोग घंटों तक मलबे में दबे रहे। इसके बाद उनके शव निकाले गए हैं। ऐसे में उनके शवों को सुरक्षित रख पाना और भी मुश्किल है, क्योंकि ऐसे शव जल्दी बदबू देने लगते हैं।

न्यूज विंडो

शिक्षकों को आरएसएस के पथ संचलन में शामिल होना पड़ा भारी, सस्पेंड

बेंगलुरु। कर्नाटक के यादगीर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन (रैली) में भाग लेने के आरोप में शिक्षा विभाग ने दो सरकारी स्कूल के शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया गया है। शिक्षा विभाग के अनुसार, दोनों शिक्षकों पर कर्नाटक सिविल सर्विस नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। सस्पेंड किए गए शिक्षकों में यादगीर जिले के हुनसगी स्थित सरकारी बालिका उच्च विद्यालय में सहायक शिक्षक गुरुराज जोशी और सुरपुर तालुका के कुप्पी स्थित सरकारी निम्न प्राथमिक विद्यालय में हेडमास्टर अन्ना साहेब देशमुख शामिल हैं। दोनों शिक्षकों पर अलग-अलग जगह हुए आरएसएस मार्च में शामिल होने का आरोप है। विभाग ने उनके इस कदम को कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 का उल्लंघन और कर्तव्य की अवहेलना मानते हुए विभागीय जांच लंबित रहने तक निलंबन की कार्रवाई की है।

भारत-कनाडा बातचीत: द्विपक्षीय निवेश संधि पर वार्ता को हरी झंडी

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच आर्थिक संबंधों में नया अध्याय जुड़ रहा है। नई दिल्ली में मार्च 2026 में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की बैठक की प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाते हुए दोनों देशों के वित्त मंत्रियों के बीच पहली आर्थिक और वित्तीय वार्ता संपन्न हुई। बैठक के बाद भारत ने कनाडा के साथ जल्द से जल्द 'द्विपक्षीय निवेश संधि' (बीआईटी) पर बातचीत शुरू करने की इच्छा जताई है। यह रणनीतिक कदम निवेश संबंधों को मजबूत करेगा और वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को 70 अरब कनाडाई डॉलर यानी करीब 4.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस वार्ता का मुख्य ध्यान दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाना और निवेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना रहा।

देवास में गड्ढा कर फेंकी 800 किलो मिठाई और 150 किलो मावा

देवास। मिलावटी और नकली मावे से मिठाई बनाने के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई में जब्त सामग्री का नष्टीकरण कराया गया। बुधवार को नयापुरा स्थित न्यू स्वदेशी स्वीट्स और भोपाल चौराहा स्थित जोधपुर स्वीट्स से जब्त करीब 800 किलो मिठाई और लगभग 150 किलो एनालॉग मावे को प्रशासन की मौजूदगी में नष्ट किया गया।ट्रेंचिंग ग्राउंड पर जेसीबी की मदद से गड्ढा खोदकर मिठाई और मावे को उसमें डालकर नष्टीकरण कराया गया।नष्टीकरण के दौरान मिठाई के साथ उसे रखने वाली पैकिंग और अन्य सामग्री भी मौके पर नष्ट की गई। प्रशासन की टीम की मौजूदगी में गड्ढा खोदकर सामग्री उसमें डाली गई और उसे मिट्टी से दबाया गया।नायब तहसीलदार कपिल गुर्जर ने बताया कि खाद्य सामग्री के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित दुकान संचालकों के खिलाफ अपर कलेक्टर न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रूसी बमबारी से दहली यूक्रेन की अर्थव्यवस्था: रिहाइशी इलाके भी निशाने पर, गोदामों पर बरसाई गई मिसाइलें

नई दिल्ली/कीव, एजेंसी

रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष अब एक नए विनाशकारी आर्थिक मोर्चे पर पहुंच गया है। सुबह राजधानी कीव समेत नौ यूक्रेनी शहरों पर रूस ने मिसाइलों और ड्रोन की भीषण बारिश कर दी। साढ़े चार साल से जारी इस युद्ध में यह हमला न सिर्फ सैन्य ठिकानों पर, बल्कि यूक्रेन के निजी व्यवसायों और समग्र अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने के इरादे से किया गया था। इस हमले में आम नागरिकों की जान जाने के साथ-साथ यूक्रेन की बिजली प्रणालियों, अनाज निर्यात बंदरगाहों और बड़े व्यापारिक गोदामों को भारी क्षति पहुंची है।

रूस अब यूक्रेन के आर्थिक तंत्र को सीधी चोट पहुंचाने की नीति पर काम कर रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इसे तेल रिफाइनरियों, लॉजिस्टिक्स हब और बंदरगाहों जैसे सैन्य-औद्योगिक ठिकानों पर कार्रवाई बताया। लेकिन असल चोट यूक्रेन के निजी व्यापार को लगी है। रूसी ड्रोन हमलों ने तीन बड़े वितरण केंद्रों को निशाना बनाकर खिलौनों की एक स्टोर चेन और एक चॉकलेट कंपनी के

विशाल गोदामों को तबाह कर दिया, जबकि एक इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर का डिपो क्षतिग्रस्त हो गया। दरअसल, यूक्रेन के हालिया लंबी दूरी के ड्रोन हमलों से रूस को वित्तीय मुश्किलें हुई थीं, जिससे नाराज होकर रूस ने यूक्रेनी निजी उद्योगों पर यह हमला किया है।

यूक्रेनी सेना ने भी रूस के आर्थिक हितों पर सीधे हवाई हमले तेज कर दिए हैं। यूक्रेन लगभग हर रात रूसी सीमा के भीतर सैकड़ों लंबी दूरी के ड्रोन दाग रहा है। हाल ही में रूस की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी 'वाइल्डबेरीज' के गोदामों को तबाह करने के बाद यूक्रेनी ड्रोनों ने रूस की दूसरी सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेलर कंपनी 'ओजोन' को अपना निशाना बनाया है। ओजोन के उफा स्थित लॉजिस्टिक्स केंद्र पर सीधा हमला किया गया, जबकि ऑरेनबर्ग सुविधा को सतर्कता चेतावनी के बाद खाली कराना पड़ा। उधर, रूसी हवाई सुरक्षा प्रणालियों ने विभिन्न क्षेत्रों में यूक्रेन के 267 ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया है।

पश्चिम एशिया तनाव: शांति के प्रयास तेज, कतर के पीएम तेहरान पहुंचे

तेहरान, एजेंसी

कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी नेतेहरान में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से मुलाकात की। इसके साथ ही ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव, मेजर जनरल मोहसेन रेजाई ने चेतावनी दी है।उन्होंने कहा कि अगर नाकाबंदी जारी रहती है तो संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ गंभीर टकराव होगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि इस्राइल के साथ किसी भी नए संघर्ष से टकराव का एक अलग चरण शुरू हो जाएगा।ईरानी समाचार एजेंसी आईआरआईबी की ओर से प्रकाशित अल-मनार के साथ एक साक्षात्कार में, रेजाई ने कहा कि तेहरान 'जायोनी शासन के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को नरक में भेज देंगे'। इसके साथ ही दावा किया कि इस्राइली प्रधानमंत्री के कामों ने जायोनी शासन के अस्तित्व के अंत को पास ला दिया है।रेजाई ने यह भी आरोप लगाया कि नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे की हत्या की ईरानी साजिश के बारे में झूठी जानकारी फैलाई थी। इसके साथ ही दावा किया कि इन रिपोर्टों ने ट्रंप को घबरा दिया था। उनके निर्णय लेने की प्रक्रिया को बाधित कर दिया था।लेबनान के साथ इस्राइल के संघर्ष की स्थिति पर, रेजाई ने कहा कि दहिये और बेरूत हमारी रेड लाइन हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में होने वाला कोई भी संघर्ष पिछले युद्धों से अलग होगा। उन्होंने आगे कहा कि हम स्थिति पर पूरी गंभीरता से नजर रख रहे हैं।इस्राइल को लेबनान के कब्जे वाले क्षेत्रों से पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

भारत के हुनर की बढ़ी मांग: तीन लाख भारतीयों को मिलेगी नौकरी

टोक्यो। जापान अब भारत से सिर्फ बाजार नहीं, कामगार भी मांग रहा है। जापानी पक्ष ने तीन लाख भारतीय तकनीशियनों, प्रबंधकों, देखभालकर्मियों और परिचारिकाओं को प्रशिक्षित कर जापान में नौकरी देने का प्रस्ताव रखा है। प्रशिक्षण जापान या भारत में कहीं भी हो सकता है। लेकिन उन्हें काम जापानी अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए ही करना होगा।

यह प्रस्ताव वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के चार दिनी जापान दौरे में सामने आया। इसका मतलब है कि भारत-जापान आर्थिक रिश्ते का ढांचा अब निवेश व व्यापार से आगे बढ़कर लोगों पर केंद्रित होगा। असल में जापान की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है और अस्पताल, वृद्धाश्रमों, कारखानों और निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले हाथ घट रहे हैं। भारत के लिए यह अवसर है, लेकिन शर्तों के साथ। तीन लाख लोगों को भेजने का मतलब है भाषा प्रशिक्षण, कौशल प्रमाणन और दोनों देशों के बीच योग्यता की आपसी मान्यता का एक पूरा तंत्र खड़ा करना।

सिंगर अंकित बालियान की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई सामने, कुल 9 गोलियां लगीं- 5 शरीर में फंसी

शामली। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की बुधवार शाम नाला पटरी मार्ग पर जिम से बाहर निकलते ही बदमाशों ने गोलियों से भूनकर हत्या कर दी थी। कुछ घंटे बाद ही रात में इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लारेंस गैंग से जुड़े गोगी ग्रुप के भोलू शाहपुरिया ने हत्याकांड की जिम्मेदारी लेने का दावा किया था।

इसके अलावा गुरुवार को दिन में हरियाणवी सिंगर भूपेंद्र ढींगरा ने खुद का वीडियो प्रसारित कर दावा किया कि अंकित की उसने हत्या कराई है। चूंकि अंकित ने उसको गाली दी थी। हालांकि अंकित के पिता ने कहा कि उनके पुत्र की ऐसी किसी बड़े गैंग से कोई दुश्मनी नहीं थी। इसमें किसी हरियाणवी सिंगर का हाथ हो सकता है।

उधर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार अंकित को नौ गोली लगी थी। पांच शरीर में फंसी रहीं, जबकि चार बाहर निकल गई थी। गुरुवार दोपहर पुलिस मौजूदगी में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

देर शाम तक जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों का आना-जाना अंकित के घर लगा रहा। हत्याकांड को अंजाम देने वाले दो शूटरों का फोटो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ है।बुधवार शाम पौने सात बजे चार शूटरों ने कोतवाली क्षेत्र के आर्यपुरी में मसल्स श्री बालाजी जिम से बाहर निकलते ही अंकित बालियान की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी थी।

सी वोटर-इंडिया टुडे

यूपी के नए सर्वे ने चौंकाया, बढ़ाई योगी की चिंता

यूपी में आज चुनाव हुए तो एनडीए पर भारी पड़ेगा इंडिया गठबंधन!

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर एक तरह से उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। सत्ता में साढ़े नौ साल से काबिज भाजपा और मुख्य विपक्षी पार्टी सपा के बीच एक दूसरे को पटखनी देने के लिए तैयारियां तेज हो चुकी हैं। लुभावने वादे से लेकर आरोप-प्रत्यारोपों का दौर नए मुकाम पर पहुंच चुका है। इस बीच जनता का मूड भांपने के लिए नया सर्वे किया गया है। इस सर्वे ने बीजेपी को हैरान कर दिया है। इससे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चुनौती बढ़ गई है। जबकि समाजवादी पार्टी के नेता गदगद हैं और सोशल मीडिया पर सर्वे को शेयर कर अपने पक्ष में प्रदेश का माहौल होने की बातें कह रहे हैं।

इंडिया टुडे और C वोटर ने पूरे देश में यह सर्वे किया है। माना जाता रहा है कि यूपी से ही दिल्ली की सत्ता का रास्ता निकलता है। यहां सबसे ज्यादा 80 लोकसभा की सीटें भी हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में सपा ने भाजपा को तगड़ा झटका दिया था। सपा ने ही बीजेपी के लोकसभा में बहुमत की राह भी रोक दी थी। सपा-कांग्रेस के इंडिया गठबंधन ने अब तक का सबसे शानदार प्रदर्शन किया था। तब इसे सपा तुक्का बताया गया था।

इस सर्वे में यह जानने की कोशिश की गई थी कि अगर आज लोकसभा चुनाव हुए तो किसे कितनी सीटें मिल सकती हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में सपा को 80 में से 37 और उसकी सहयोगी कांग्रेस को छह सीटें मिली थीं। भाजपा के हिस्से में 33 और सहयोगियों को तीन सीटें मिली थीं। इसमें अपना दल को एक और रालोद को दो सीटें मिली थीं। एक सीट आजाद समाज पार्टी के हिस्से आई थी। नए सर्वे में बीजेपी को 34 सीटें मिलती दिख रही हैं। यह भले ही लोकसभा चुनाव से एक सीट ज्यादा है लेकिन चिंता और हैरानी का कारण दूसरा ही है।

सी-वोटर ने जनवरी में भी इसी तरह का सर्वे किया था। तब भाजपा को 44 सीटें मिलती दिख रही थीं। यानी यूपी में बहुमत भाजपा के पास आ रहा था। छह महीने में ही भाजपा की सीटें घट गई हैं। जनवरी से अगस्त के बीच भाजपा को सीधे दस सीटों का नुकसान दिख रहा है। भाजपा के सहयोगियों को 4 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। इसके बाद भी उसके पास आधी से कम ही सीटें आ रही हैं। अगर पिछले लोकसभा चुनाव से भी तुलना करें तो भाजपा को कोई फायदा नहीं हो रहा है।

इंडिया गठबंधन के हिस्से में 41 सीटें

दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के हिस्से में 41 सीटें आती दिख रही हैं। पिछले चुनाव से भले ही यह दो सीटें कम हैं लेकिन बहुमत से ज्यादा है। इसमें सपा से ज्यादा फायदा कांग्रेस को दिखाई दे रहा है। सपा को 30 और कांग्रेस को 11 सीटें मिलती दिख रही हैं। पिछले सर्वे में सपा को 29 और कांग्रेस को केवल दो सीटें मिल रही थीं। छह महीने में कांग्रेस को नौ सीटों और सपा को एक सीट का फायदा दिखाई दे रहा है। इस बार भी दोनों दलों ने साथ मिलकर ही विधानसभा चुनाव भी लड़ने का ऐलान कर रखा है, ऐसे में इंडिया गठबंधन की सीटें एनडीए से ज्यादा नजर आ रही हैं। यही भाजपा की सबसे बड़ी चिंता भी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524